24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | रविवार 29 दिसम्बर 2024 | वर्ष– 7 | अंक– 1243 | पृष्ठ– 6 | RNI (TA)- 2022027633

ममता बनर्जी का अपने मंत्रियो को सख्त निर्देश

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के मंत्रियों को सख्त निर्देश दिया है कि वे किसी भी कार्यक्रम में जाने से पहले इसकी जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय को दें। यह निर्देश हाल ही में एक मंत्री द्वारा एक विवादास्पद कार्यक्रम में भाग लेने के बाद दिया गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि 2025 की शुरुआत से इस नियम का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा।

सूत्रों के अनुसार, हाल ही में एक मंत्री ने एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था, जहां उन्हें मंच पर एक ऐसे व्यक्ति ने सम्मानित किया, जो कई वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में आरोपी है। इस घटना के कारण पार्टी के अंदर सवाल उठने लगे और मुख्यमंत्री तक मामला पहुंचा। इसके बाद ममता बनर्जी ने सभी मंत्रियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम में भाग लेने से पहले इसकी जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय को देना आवश्यक होगा।

2026 में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नहीं चाहतीं कि चुनाव से पहले राज्य सरकार का कोई मंत्री या विधायक किसी भी तरह के विवाद में फंसे। इसीलिए उन्होंने प्रशासन और पार्टी को सख्ती से नियंत्रित करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने हाल ही में तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में भी यह स्पष्ट किया था कि अगर कोई नेता पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया, तो उसे शोकॉज नोटिस जारी किया जाएगा। यदि किसी नेता को तीन बार शोकॉज किया जाता है, तो उसे पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा।

ममता बनर्जी के इस निर्देश को पार्टी के अनुशासन और आगामी चुनावी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि मुख्यमंत्री यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि किसी मंत्री या विधायक की छवि पर कोई दाग न लगे। पिछले कुछ वर्षों में मदन मित्रा, पार्थ चटर्जी और ज्योतिप्रिय मल्लिक जैसे नेताओं के नाम विवादों में आने से पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा है। ये तीनों नेता अब मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं हैं।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को ले किया बैठक

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (पांडवेश्वर): केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी गतिविधियों शुरु कर दिया है,

इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री भारत सरकार ने यमुना विहार जिला कार्यालय में जिला भाजपा अध्यक्ष पूनम चौहान और प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक करके चुनाव रणनीति पर चर्चा किया,

मालूम हो की दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर जनवरी महीना में कभी भी घोषणा हो सकती हैं इसलिए भाजपा ने अपनी रणनीति के अनुसार संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए दमखम के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी शुरु कर दिया हैं, केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने चुनाव को लेकर ही बैठके कर रहे है,

पूर्वी भारत की एकमात्र अल्ट्रा साइकिल रेस का शुभारंभ

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (कोलकाता): दीघा से दार्जिलिंग तक की 830 किलोमीटर की अनूठी साईकिल यात्रा, जो बंगाल की खाड़ी से हिमालय की ओर बेमिसाल यात्रा का प्रतीक है, आज सुबह 28 दिसंबर को शुरू हुई। यह रेस दार्जिलिंग के घूम रेलवे स्टेशन पर समाप्त होगी, जहाँ प्रतिभागियों के पास इस चुनौतीपूर्ण मार्ग को पार करने के लिए सिर्फ़ 49 घंटे थे।

इस आयोजन को सस्टेनेबिलिटी पार्टनर के रूप में स्विचऑन फाउंडेशन द्वारा समर्थित किया गया था। सवारों को सस्टेनेबिलिटी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जैसे कि पुन: प्रयोज्य पानी की बोतलों का उपयोग करना, साइकिलों पर पर्यावरण के अनुकूल पोस्टरों के माध्यम से हरित परिवहन को बढ़ावा देना और संवेदनशील पारिस्थितिकी प्रणालियों को बाधित करने से बचने के लिए दौड़ मार्ग की योजना बनाना। यह पूर्वी भारत में आयोजित होने वाली पहली रेस एक्रॉस अमेरिका (आरएएएम) अंतर्राष्ट्रीय दौड़ है।

सस्टेनेबिलिटी पार्टनर स्विचऑन फाउंडेशन के एमडी विनय जाजू ने अपना उत्साह व्यक्त किया, "मैं कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए व्यक्तिगत वाहनों की तुलना में टिकाऊ गतिशीलता को अपनाने का संदेश फैलाना चाहता हूं।"

इस दौड़ में प्रतियोगी पूरी तरह से स्व-समर्थित थे, 49 घंटे की भीषण यात्रा में उनकी मदद के लिए कोई कर्मचारी या सहायक वाहन नहीं था। प्रतियोगियों ने पुणे, मुंबई, दिल्ली, सिलीगुड़ी, कोलकाता, भुवनेश्वर, नासिक और बैंगलोर सहित विभिन्न शहरों से भाग लिया। कोस्ट टू क्रेस्ट अल्ट्रा साइकिल रेस जिसे रेस एक्रॉस अमेरिका (आरएएएम) द्वारा अनुमोदित किया गया था, जिससे इसे वैश्विक मान्यता मिली की प्रतिष्ठा से आकर्षित कुछ प्रतिभागियों ने पहली बार पश्चिम बंगाल का दौरा किया।

रेस डायरेक्टर अभिषेक तुंगा ने कहा, "यह कोस्ट टू क्रेस्ट अल्ट्रा साइकिल रेस का दूसरा संस्करण था और यह पूर्वी भारत की एकमात्र अल्ट्रा-साइकिलिंग रेस है। पिछले साल के उद्घाटन संस्करण में 26 प्रतिभागी थे, जबकि इस साल, हमारे पास भारत के विभिन्न हिस्सों से 67 रेसर हैं।"

इस दौड़ में कई प्रसिद्ध साइकिल चालकों ने भाग लिया, उनमें नासिक के प्रसिद्ध एथलीट किशोर काले भी शामिल थे। उन्होंने कहा, "पश्चिम बंगाल आना और बंगाल की खाड़ी से हिमालय तक की रेस में भाग लेना एक असाधारण अनुभव था।" विश्व रिकॉर्ड धारक डॉ. अमित समर्थ ने इसे "भारत की सबसे कठिन साइकिल रेस में से एक" बताया। इस इवेंट के ब्रांड एंबेसडर और मशहूर अल्ट्रा-साइकलिस्ट डॉ. महेंद्र महाजन ने रेस को हरी झंडी दिखाई। 70 वर्षीय श्री महिंदर सिंह भारज भी पश्चिम बंगाल में अपनी पहली रेस में भाग ले रहे हैं।

एक बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनी के इंजीनियर अर्नव पात्रा ने कहा, "स्थिरता दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, मैं इस दौड़ में भाग लेने के लिए रोमांचित हूं।" उन्होंने अपने परिवार के साथ क्रिसमस की छुट्टियां बिताने की योजना रद्द कर दी और दौड़ में भाग लिया। 9,100 किमी ट्रांस-साइबेरियन एक्सट्रीम को पूरा करने वाले एकमात्र एशियाई और मल्टीपल आरएएएम फिनिशर डॉ. अमित समर्थ दौड़ का हिस्सा थे और उन्होंने अपना उत्साह साझा किया, "मैं अन्य रेसर्स के साथ इस दौड़ का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूँ। इस पहल के माध्यम से, हमारा उद्देश्य खुद को और अपने पर्यावरण को स्वस्थ रखने का संदेश फैलाना है।"

प्रतियोगियों की दौड़ का मार्ग बालागढ़, बेथुआ दोहरी, मालदा, दालखोला, सिलीगुड़ी से घूम तक है। प्रतिभागियों ने समुद्र के शानदार दृश्य के साथ सूर्योदय के समय समुद्र तट पर अपनी यात्रा शुरू की, इससे पहले कि वे गंगा के मैदानों की प्राकृतिक सुंदरता और हिमालय की तलहटी में चाय के बागानों से होकर गुजरें। मुख्य आकर्षणों में राजसी कोलाघाट थर्मल पावर स्टेशन, 108 स्लुइस गेटों वाला फरक्का बैराज और ऐतिहासिक स्थलों से होते हुए प्रसिद्ध प्लासी युद्ध का मैदान शामिल है, जहाँ अंग्रेजों ने बंगाल के अंतिम राजा, नवाब सिराजुद्दौला को हराया था।

इस रेस की असली खूबसूरती सिर्फ़ बंगाल के प्राकृतिक नज़ारों को देखना ही नहीं थी, बल्कि अप्रत्याशित मौसम और सुकना और कुर्सेओंग के बीच खड़ी चढ़ाई जैसी चुनौतियों पर काबू पाना भी था। आयोजकों में से एक और उत्साही साइकिल चालक जुधाजीत चक्रवर्ती ने कहा, "बंगाल की अद्वितीय सुंदरता का अनुभव करने के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। इस रेस ने बंगाल की साइकिलिंग संस्कृति को फिर से परिभाषित किया है और धीरज खेलों की दुनिया में राज्य के लिए एक नई पहचान बनाई है।

कोस्ट टू क्रेस्ट अल्ट्रा साइकिल रेस धीरज साइकिलिंग की दुनिया में एक मानक स्थापित कर रही है, जो एथलीटों को अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए एक मंच प्रदान करती है, साथ ही पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देती है।

हिन्दू महासभा और भाजपा बचाओ मंच का संयुक्त कार्यक्रम, पश्चिम बंगाल में नया सियासी समीकरण

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (कोलकाता): नए साल की पूर्व संध्या पर अखिल भारत हिंदू महासभा और बीजेपी बचाओ मंच की संयुक्त पहल पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने के लिए जश्न मनाया जाएगा. आज से ठीक एक साल पहले भाजपा बचाओ मंच ने प्रदेश भाजपा पर भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का आरोप लगाते हुए भाजपा प्रदेश कार्यालय के सामने और कई जिलों में अभूतपूर्व विरोध कार्यक्रम आयोजित किया था. लेकिन इस बार उन्होंने अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चंद्रचूड़ गोस्वामी को पत्र लिखकर आने वाले दिनों में सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रम एक साथ आयोजित करने में रुचि जताई है. केंद्र द्वारा दिए गए सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करने में प्रदेश भाजपा पहले ही पीछे रह गई है। फिर आने वाले दिनों में हिंदू महासभा

और पश्चिम बंगाल आदर्शवादी भाजपा बचाओ मंच का विलय राज्य की राजनीति में कई लोगों की नींद उड़ा देगा, यह कहने की जरूरत नहीं है।

इस संबंध में हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चंद्रचूड़ गोस्वामी ने कहा कि आने वाला साल 2025 हमारे लिए राजनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है क्योंकि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होंगे. हम तृणमूल, भाजपा, सीपीएम, कांग्रेस के खिलाफ नहीं हैं, हम गर्व से पारंपरिक राष्ट्रवादी आदर्शों के पक्ष में हैं। हमारी पार्टी का दिल और दरवाजे दोनों सभी राजनीतिक दलों के उन निष्क्रिय पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए खुले हैं जिन्हें अपनी ही पार्टी में उचित दर्जा या सम्मान नहीं मिलता है। हम सभी पारंपरिक राष्ट्रवादी साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी सन्दर्भ में हम 31 दिसम्बर 2024 को ठीक 12 बजे देशनायक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस एवं भारत केशरी डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के आवास पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन करने जा रहे हैं। इस संबंध में हमारे राजनीतिक दल की ओर से सोशल मीडिया पर सभी को शामिल होने के लिए आमंत्रण संदेश भेजा गया था. पत्र लिखने के बाद पश्चिम बंगाल आदर्शवादी भाजपा बचाओ मंच के नेतृत्व दीपक कुमार सरकार, आशीष साव, कार्तिक मैती आदि नेताओं ने हमसे संपर्क किया और साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई. हम उन्हें आदर और हृदय से स्वीकार करते हैं। अगले 31 तारीख से हम एक साथ अपनी यात्रा शुरू करेंगे.' पश्चिम बंगाल वैचारिक भाजपा बचाओ मंच के नेता दीपक कुमार सरकार, आशीष साव, कार्तिक मैती ने इस संदर्भ में कहा कि जब भारत के सबसे पुराने राजनीतिक दलों में से एक अखिल भारत हिंदू महासभा वैचारिक रूप से हमारे साथ एकजुट है, तो दुनिया की कोई भी साजिश हमें रोक नहीं सकती है। एक साथ मार्च करना.

हिंदू महासभा की कार्यालय सचिव अनामिका मंडल ने कहा कि हमें खबर है कि कोलकाता के विभिन्न स्थानों जैसे धर्मतला, एमजी रोड, प्रेस क्लब, भवानीपुर, रबींद्रसदन, पार्क स्ट्रीट, हाजरा, कालीघाट में हिंदू महासभा के सह-अस्तित्व की कामना करते हुए पोस्टर पहले ही लगाए जा चुके हैं। बीजेपी बचाओ मंच. दूसरे शब्दों में, लोग हमारी संयुक्त यात्रा से बहुत खुश हैं। इसमें शक की कोई गुंजाइश नहीं है कि हिंदू महासभा और बीजेपी बचाओ मंच के विलय का आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति पर बड़ा असर पड़ने वाला है.

जामताड़ा का सब स्टेशन बना नियामतपुर का मोची पाड़ा

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (नियामतपुर): मोची पाड़ा में आए दिन साइबर मामलों में पुलिस की रेड पड़ती है, इसमें से कई पकड़े जाते है, तो कई पकड़ से बाहर रहते हैं।

गौरतलब है कि एसीपी कुल्टी के नेतृत्व में शुक्रवार की देर संध्या साइबर क्राइम के तहत नियामतपुर मोची पाड़ा में छापेमारी की गई, जिसमे से एक आरोपी साढ़े चार लाख के नगदी और कई अन्य दस्तावेज के साथ गिरफ्तार किया गया है. वहीं अन्य पुलिस को चकमा देकर फरार होने में सफल रहे।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस पोटला के आधार पर साईबर क्राइम द्वारा दिशा निर्देश और निशानदेही पर पुलिस द्वारा मोची पाड़ा में छापामारी की गई, पाड़ा में पुलिस प्रवेश की खबर मिलते ही साइबर अपराधियो में हड़कंप मच गई और पुलिस को चकमा देकर भागने लगे, निशानदेही पर पुलिस ने एक घर में छापामारी की. पुलिस के आने की सूचना मिल जाने से अपराधी भाग निकले, परन्तु उसमें से एक युवक राजू रूइदास एक बैग लेकर भाग रहा था, पुलिस ने उसे दबोच लिया, उसके साथ कुछ और महिलाओ को भी पुलिस पूछताछ के लिए थाने ले आई. काफी देर जांच चलने के बाद महिलाओं को छोड़ दिया गया.

शनिवार को पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी राजू को आसनसोल कोर्ट में चलान कर दिया. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राजू रूइदास के बैग से साढ़े चार लाख रुपए सहित कई बैंक के खाते एटीएम सहित कई दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि जामताड़ा जो, साइबर ठग के लिए विश्व विख्यात हैं, जिसका सब स्टेशन नियामतपुर मोची पाड़ा बन गया है. पुलिस द्वारा जामताड़ा के ठगों पर नकेल कसने पर ये लोग कुल्टी और सालनपुर क्षेत्रों में अपना नया ठिकाना बनाना शुरू किया है. देखते ही देखते ये लोग अपने परिजनों और रिश्तेदारों दोस्तों को भी इस पेशे में जोड़ लिया, अब इनका नेटवर्क बहुत की मजबूत हो गया है। मोची पाड़ा ही नहीं आसपास मुहल्ले के कई युवक इस धंधे में विभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं।

काफी कम समय में काफी रकम भी अर्जित कर चुके हैं, जिससे कि रहन सहन की सैली में परिवर्तन दिखने को मिलता है. इन्हें इतने कम समय में पैसा कमाते देख काफी तेजी से कई युवक इस धंधे के दलदल में फंसते जा रहे हैं।

इनका भारत के कोने कोने में नेटवर्क फैला हुआ है. जामताड़ा गैंग के साथ मिल कर प्रत्येक दिन लाखों रुपए ठगी कर रहे है. वहीं इन लोगों द्वारा दिहाड़ी मजदूरी करने वालों के नाम पर कई बैंक खाते बना रखें हैं. रकम पर कमीशन भी तय किया गया हैं।

आए दिन बंगाल- झारखंड, बिहार, उड़ीसा, दिल्ली सहित अन्य राज्यों के पुलिस द्वारा छापा मारी भी की जाती हैं, कई पकड़े गए है, जिसमें से कई जेल में हैं, कई बेल पर हैं। परन्तु यह धंधा थमा नहीं है।

न्यू केंदा कोलियरी के सालडांगा बाउरी पाड़ा स्थित एक घर में भू-धंसान, लोगो में दहशत

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (जामुड़िया): ईसीएल केंदा एरिया अंतर्गत न्यू केंदा कोलियरी के सालडांगा बाउरी पाड़ा में शनिवार दोपहर को एक घर में भू-धंसान की घटना घटित होने के बाद स्थानीय लोगों में आतंक का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के मुताबिक सालडांगा बाउरी पड़ा निवासी सुनीता ओलिवर के घर में अचानक भू-धंसान के बाद गोफ बन जाने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वही घटना के बाद आतंकित घर के लोगों द्वारा घर के अंदर रखा सामग्री घर से बाहर कर दिया गया तथा घर बंद कर बाहर निकल गए।

घटना के विषय में सुनीता ओलिवर ने बताया कि शनिवार दोपहर को जब वह अपने बच्चे को कपड़ा पहना रही थी तभी अचानक से जमीन नीचे धंस गया। उन्होंने कहा कि छोटा गोफ देखकर पहले लगा कि चूहा ने मिट्टी खोदा होगा, लेकिन धीरे- धीरे गोफ का दायरा बढ़ने लगा।

स्थानीय सालडांगा निवासी मिथुन बाउरी ने कहा कि न्यू केंदा ओसीपी में ब्लास्टिंग के कारण भू-धंसान की घटना घटित हुई है। उन्होंने कहा कि भू-धंसान के कारण बने गोफ का दायरा बढ़ते चला जा रहा है जिसके कारण आस पास रहने वाले लोगों में आतंक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि ईसीएल प्रबंधन को तत्काल लोगों को सुरक्षित स्थान पर पुनर्वासित करना होगा अन्यथा किसी भी प्रकार की अनहोनी घटना के लिए ईसीएल प्रबंधन पूर्ण रूप से जिम्मेवार होगा।

सालडांगा ग्राम उन्नयन कमेटी के अधक्ष्य तमाड़ मुर्मू ने कहा कि भू-धंसान की घटना को लेकर ईसीएल प्रबंधन को सूचित कर सीघ्र व्यवस्था करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि केंदा इलाका भू-धंसान प्रभावित इलाका है जिस कारण क्षेत्र में आए दिन धंसान की घटना घटित होते रहती है।

उन्होंने कहा कि न्यू केंदा ओसीपी में ब्लास्टिंग होने के कारण भू धंसान की घटना घटित हुई है जिसके लिए ईसीएल प्रबंधन को अतिशीघ्र प्रभावित लोगों को पुनर्वासित करने की व्यवस्था करनी होगी, अन्यथा वृहद आंदोलन किया जाएगा।

मालूम हो कि 16 वर्ष पहले 16 दिसंबर 2008 को सालडांगा बाउरी पड़ा में भू-धंसान की घटना घटित हुई थी, जिसमें साउथ केंदा फ्री प्राइमरी स्कूल सहित दर्जनों घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था।

झालदा में गाड़ी और पुआल के ढेर में लगी आग, बीजेपी ने की जांच की मांग

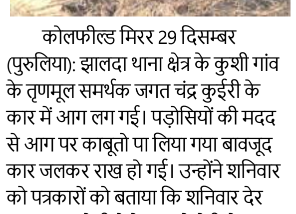

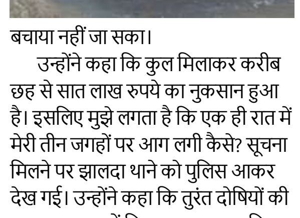

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (पुरुलिया): झालदा थाना क्षेत्र के कुशी गांव के तृणमूल समर्थक जगत चंद्र कुईरी के कार में आग लग गई। पड़ोसियों की मदद से आग पर काबूतो पा लिया गया बावजूद कार जलकर राख हो गई। उन्होंने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि शनिवार देर रात एक पड़ोसी ने देखा मुझे मेरी सेंट्रा कार में आग लगने की खबर दी। पड़ोसियों की मदद से आग पर काबू पाने के बावजूद कार जलकर राख हो गई। इतना ही नहीं, उसी रात मुझे 100 मीटर दूर घास से भरी एक और पिकअप वैन और 500 मीटर दूर घास के ढेर में आग लगने की खबर मिली। हालांकि पिकअप वैन को बचाया जा सका, लेकिन दिलीप चंद्र नापित के धान के ढेर में आग लगने से वह जलकर छाई हो गई। दमकल और पड़ोसियों की मदद से भी उसे बचाया नहीं जा सका।

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर करीब छह से सात लाख रुपये का नुकसान हुआ है। इसलिए मुझे लगता है कि एक ही रात में मेरी तीन जगहों पर आग लगी कैसे? सूचना मिलने पर झालदा थाने को पुलिस आकर देख गई। उन्होंने कहा कि तुरंत दोषियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए और मुआवजे मिलना चाहिए।

हालांकि मामले की खबर स्थानीय एवं भाजपा के पुरुलिया जिला महासचिव शंकर महतो को मिली तो वे शनिवार को देखने पहुंचे। कहा देखा कि एक ही रात में एक ग्रामीण के तीन जगहों में आग लग गयी। यह कैसे संभव है? मुझे लगता है कि किसी ने आग लगाई है, इसलिए मैं दोषियों की गिरफ्तारी और पीड़ितों को मुआवजा देने की भी मांग करता हूं।

एक तरफ बाघिन जीनत पुरुलिया में दहशत फैला रही, वहीं बाँकुड़ा के लोग 62 हाथियों के डर से सो नहीं रहे

शुवेंदु लायक

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (बाँकुड़ा): पिछले एक सप्ताह से पुरुलिया वन विभाग को बाघिन परेशान कर राखी है, वही बांकुरा में हाथियों के दल का खौफ है. भोजन की तलाश में दलमा से बांकुड़ा आये करीब 62 हाथी अब बरजोरा के पबाया जंगल में हैं. वन विभाग जंगल के भीतर हाथियों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन फिर भी इलाके के लोगों का डर खत्म नहीं हो रहा. वन विभाग की भूमिका को लेकर राजनीतिक दबाव भी शुरू हो गया है.

पश्चिमी जिले बांकुरा, पुरुलिया और झाड़ग्राम, ये तीनों जिले फिलहाल वन्यजीवों के लिए मुक्त क्षेत्र हैं। ओडिशा के सिमलीपाल से वनकर्मियों को बार-बार खाना खिलाने के बाद भाग निकली बाघिन जीनत पुरुलिया में घूम रही है. वन विभाग उसे पकड़ने की कोशिश कर रहा है. कई बार वनकर्मियों की योजना विफल हो गई, कभी पहाड़ी जंगल में तो कभी बस्ती के पास के जंगल में. पुरुलिया में ऐसा मामला होने पर बांकुड़ा वन विभाग भी चैन से नहीं है.

बांकुरा में चिंता का कारण हाथियों का समूह है. दो सप्ताह पहले दलमा से 62 हाथियों का एक समूह पश्चिम मेदिनीपुर की सीमा पार कर बांकुड़ा जिले में प्रवेश कर गया था. बांकुड़ा के बिष्णुपुर, जयपुर और सोनामुखी के जंगलों से गुजरने के बाद हाथियों का एक समूह बरजोरा के पबाया जंगल में दिखाई दिया। हाथियों का दल करीब एक सप्ताह से वहां है। वन विभाग पबाया जंगल के भीतर हाथियों की आवाजाही को प्रतिबंधित कर क्षति और जनहानि को रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। लेकिन दल हाथी के साथ-साथ आवासीय दल चिंता बढ़ा रहा है. एक ओर विभिन्न जंगलों में विचरण कर रहे आवासीय गिरोह तो दूसरी ओर 62 हाथियों के गिरोह के भय से बांकुड़ा जिले के उत्तरी भाग के विशाल क्षेत्र के लोग अब सहम गये हैं.

हाथियों के दल को लेकर वन अधिकारियों के माथे पर चिंता की लकीर बढ़ती जा रही है. हाथियों के दल पर राजनीतिक दबाव भी चल रहा है. विरोधियों का दावा है कि सरकार और वन विभाग की सद्भावना की कमी के कारण आज आम लोगों को ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. आरोपों को खारिज करते हुए सत्ता पक्ष का दावा है कि वन विभाग और सरकार के प्रयासों में कोई खोट नहीं है.

बालू लदे डंपर की चपेट में आने से एक महिला की मौत

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (रानीगंज): रानीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत अमृतनगर कोलियरी के पास ईसीएल के बालू लदा डंपर ने स्कूटी को धक्का मार दिया। स्कूटी पर सवार कर महिला चिंता देवी (57 वर्ष) की बालू लदे डंपर के नीचे दब जाने से मौके पर मौत हो गयी। फिलहाल मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया जा रहा है और कहा जा रहा है कि उस सड़क से बालू नहीं ले जाया जा सकता है। अन्य भारी सामान नहीं ले जाया जा सकता है और सड़क की मरम्मत की जरूरत है। इस दिन स्थानीय इलाके के आक्रोशित लोगों ने बालू लदे डंपरों तोड़फोड़ की स्थिति को संभालने के लिए मौके पर व्यापक संख्या में पुलिस बल पहुंची है। स्थानीय लोग कई बार सड़क की मरम्मत कराने की मांग कर चुके हैं, लेकिन सड़क की मरम्मत नहीं करायी गयी, उल्टे भारी वाहन बेतरतीब ढंग से चल रहे हैं।

जीतेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में भाजपा नें चलाया सदस्पता अभियान

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (पांडवेश्वर): बहुला में पूर्व विधायक सह भाजपा नेता जीतेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में भाजपा द्वारा सदस्ता अभियान चलाया गया। इस दौरान पांडवेश्वर के पूर्व विधायक जीतेन्द्र तिवारी नें कहा की हमलोग सभी भाजपा के कार्यकर्त्ता सब मिल के इलाके में सदस्ता अभियान चलाये यहाँ के आस पास के दुकानों में जा कर लोगों से सदस्ता ली।उन्होंने कहा की भाजपा से जुड़ने के लिए लोगों में बहुत उत्साह देखने को मिला. आगे उन्होंने कहां आने वाले समय में पाडवेश्वर तृणमूल कांग्रेस के पार्टी ऑफिस में अगरबत्ती दिखाने वाला भी नहीं होगा।

इस दौरान संजय यादव, अहसान शेख, रविन्द्र यादव, प्रलाद शाव, राजकुमार साहनी, सूरज चौहान, वरुण शर्मा, पीनाकी मिश्रा, विकास बाध्यकर तथा सभी बी.जे.पी के सदस्य गण उपस्थित रहें।

दुर्गापुर में कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (दुर्गापुर): भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से पूरे देश में शोक छाया हुआ है. देश में वित्तीय सुधारों के प्रणेता मनमोहन सिंह के निधन पर राजनीतिक हलकों के अलावा औद्योगिक और व्यापारिक हलकों ने भी गहरा दुख व्यक्त किया है.

देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ आसनसोल दुर्गापुर खनन औद्योगिक क्षेत्र भी दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दे रहा है. शुक्रवार की रात कांग्रेस ने इस्पातनगरी, दुर्गापुर स्थित नेहरू भवन में डॉ. मनमोहन सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. प्रदेश कांग्रेस नेता तरूण रॉय, इंटक नेता असीम घोष, तुषार घोष और कांग्रेस छात्र, युवा और महिला संगठनों के सदस्य उपस्थित थे। यहां भी राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका हुआ रखा गया.

कांग्रेस नेता तरूण राय ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. मनमोहन सिंह के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश ने वित्तीय क्षेत्र में जो प्रगति की है उसमें मनमोहन सिंह के योगदान को भारत के लोग कभी नहीं भूलेंगे।

डॉ. मनमोहन सिंह ने आसनसोल और दुर्गापुर औद्योगिक क्षेत्रों के औद्योगिक और वित्तीय विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तरूण रॉय का मानना है कि देश में मनमोहन सिंह जैसे विनम्र, शिक्षित और निस्वार्थ भाव से विकास के लिए समर्पित जीवन जीने वाले नेता की बहुत कमी है।

सीए परीक्षा में रिया केसरी के सफल होने पर सम्मान समारोह

कोलफीव्ड मिरर 29 दिसम्बर (रानीगंज): सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंसी) की परीक्षा में रिया केसरी के सफल होने पर सामाजिक संस्थाएं मॉर्निंग वॉकर्स, योगा ग्रुप की ओर से सम्मान समारोह आयोजित की गई। समाज सेवी आरपी खेतान ने कहा कि यह समारोह छात्रों की मेहनत और सफलता का सम्मान है। एक पहलू जहां छात्रों का परिश्रम होता है वही दूसरा पहलू परिवार का सहयोग होता है। डॉ कन्हैया केसरी ने कहा कि ऐसेकर्यक्रम का बहुत अधिक महत्व होता है क्योंकि इस सम्मान से छात्रों केसथ अभिभावकों का मनोबल बढ़ाता है। समाज में पैगामजता है। सीए विजय जाजोदिया ने कहा कि मैं जिस समय शिक्षाग्हण किया था वह दौर आज के दौर से अलग है। उसे वक्त काफी कम छात्र सीए क्षेत्र मेंआते थे। इस मौके पर संयोजन करता हूं की ओर से अशोक अरोड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

शताक्षी महिला मंडल बंकोला शाखा की ओर से कंबल समेत खाद्य सामग्री का वितरण

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (पांडवेश्वर): शताक्षी महिला मंडल वेलफेयर एसोसिएशन डिशरगढ़, ईसीएल ऑफिसर्स वाइस सोसाइटी बंकोला शाखा की ओर से बंकोला कोलियरी के नीम धवारा में चिन्हित 26 चिन्हित परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया.

बंकोला शाखा की अध्यक्षा कस्तूरी साहू ने बताया कि हमारी ईसीएल शताक्षी महिला मंडल की नयी अध्यक्षा किरण झा, उपाध्यक्षा जीरक आलम, संचिता रॉय की सक्रिय नेतृत्व और मार्ग दर्शन में सामाजिक सरोकार के तहत जरूरतमंदों के बीच जाकर मदद करते है, आज नीम धवारा में चिन्हित 26 परिवारों के बीच कंबल, केक, चावल, चना दाल, सरसों तेल, नमक, चूड़ा, गुड, स्नान का साबुन और सर्फ का वितरण किया है और आने वाले दिनों में भी बंकोला शाखा की ओर से ऐसी ही जरूरतमंदों के बीच जाकर मदद करने की सिलसिला जारी रहेगी.

कार्यक्रम में शताक्षी महिला मंडल बंकोला शाखा की अनुरानी सिंह, मृदुला रंजन, चंद्रावती देवी, शिला पाण्डेय, श्वेता मंडा, परबी पोरेल, ललिता चौधरी और सीमा कुमार उपस्थित थी.

पुराने कल्याणेश्वरी मंदिर के दान पेटी तोड़कर लाखों रुपये की चोरी

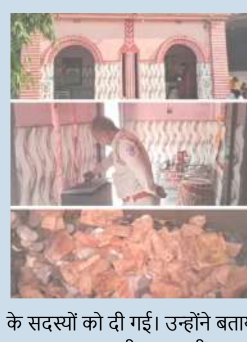

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (कुल्टी): चौरंगी फाड़ी अंतर्गत बोरिरा के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 के किनारे पुराने कल्याणेश्वरी मंदिर में चोरी की घटना प्रकाश में आई है। घटना की खबर सुन आसपास के काफी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए चौरंगी फाड़ी पुलिस भी घटना स्थल पहुंच जांच शुरू कर दी है। मंदिर प्रबंधक समिति के वरिष्ठ सदस्य दिलीप देवघरिया ने बताया कि वह शनिवार की सुबह मंदिर आये तो देखा मंदिर का गेट खुला है, ताला टूटा हुआ हैं और दानपेटी से सारे पैसा गायब हैं। जिसकी जानकारी पुलिस सहित मंदिर के सदस्यों को दी गई। उन्होंने बताया कि दान पेटी में करीब चढ़ावा के काफी रकम जमा था। खबर की जानकारी आसपास के लोगों को लगते ही काफी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई. चौरंगी पुलिस लोगों को समझाते हुए आश्वासन दिया कि जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा. पुलिस जांच शुरू कर दी है।

समाजसेवी का पुत्र बना चार्टर्ड अकाउंटेंट

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (रानीगंज): समाजसेवी अरविंद सिंघानिया का पुत्र आदित्य सिंघानिया चार्टर अकाउंटेंट की परीक्षा में सफल हुए हैं। आदित्य ने बताया कि उसकी बहन भी चार्टर्ड अकाउंटेंट है। पढ़ाई में बहन से मदद मिली है। आदित्य ने बताया कि आगे चलकर वे सिविल सर्विस की तैयारी करेंगे। आदित्य के चाचा साबरमल सिंघानिया एवं जितेंद्र सिंघानिया अपने भतीजे के उपलब्धि पर बहुत खुश है।

संदीप सिंह बने चार्टर्ड अकाउंटेंट

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (रानीगंज): ईसीएल के अधिकारी मदन सिंह के पुत्र संदीप चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने से इलाके के तमाम लोग एवं कोल इंडिया के लोग उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। संदीप ने बताया कि प्रतिदिन 8 घंटे की कड़ी मेहनत करके सफलता हासिल हुई है सफलता का श्रेय माता-पिता का है। उनकी मां सुनीता सिंह ने बतलाया कि बचपन से ही उसके पुत्र का मन पढ़ाई के प्रति काफी तेज था भविष्य में कुछ बनने का सपना था एवं लगातार मेहनत करने के बाद उनके पुत्र को सफलता मिली है अपने पुत्र की उपलब्धि पर वह बहुत खुश है।

अंडाल के दक्षिणखंड के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण का किया विरोध

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (उखड़ा): अंडाल प्रखंड अंतर्गत दक्षिण खंड के ग्राम वासियों ने जमीन के बदले जमीन की मांग को लेकर बीएपीएल के द्वारा बनाए जा रहे सड़क को रोक कर विरोध प्रदर्शन किया,

ग्रामवासी एवं जमीन के मालिक श्रीकांत दे एवं आशीष पाल ने बताया कि यह जमीन हमारे पुरखों की है और हमारे आने वाले जेनरेशन इसी पर निर्भर है, इस जगह पर प्रशासन की ओर से बीएपीएल संस्था के लिए सड़क निर्माण करवा रही है हम लोगों ने इससे पहले भी सड़क निर्माण करने में बाधा उत्पन्न किया था और विरोध प्रदर्शन किया था, उसके बाद प्रशासन के द्वारा कार्य बंद करवा दिया गया था इसकी शिकायत हम लोगों ने अंडाल वीडियो से भी किया था, लेकिन उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा फिर से प्रशासन के सहयोग से जबरन सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया गया है, हम लोगों का मांग सिर्फ यह है कि जमीन के बदले हम लोगों को जमीन दिया जाए हम लोगों ने हवाई अड्डा बनने के लिए जमीन दिया है,

वह जनहित कार्य के लिए है उसके लिए सरकार ने जो वादा किया था आज तक पूरा नहीं हुआ उसके बाद आज सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है जो की एक व्यवसाय के लिए किया जा रहा है, इससे आम जनता का कुछ भला नहीं होने वाला है, यह सिर्फ कंपनी का भला होगा मुख्यमंत्री को इसकी जानकारी है या नहीं पता नहीं कंपनी के फायदा के लिए प्रशासन के सहयोग से इस रास्ते का निर्माण किया जा रहा है, हम लोगों ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि हमारी बातों को माननीय मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाए और हमारी मांग को पूरा किया जाए, हम लोग की लड़ाई जारी रहेगी चाहे इसके लिए कुछ भी बलिदान करना पड़े करेंगे इस विषय में प्रशासन का अधिकारियों ने कुछ नहीं बताया मौके पर काफी संख्या में अंडाल थाना के पुलिस अधिकारी एवं सिविक वॉलिंटियर समेत पुलिस जवान उपस्थित थे,

ठगी मामले में जामुड़िया से दो लोग गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (जामुड़िया): साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा गहन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे कमिश्नरेट के अधिकारियों को व्यापक रूप से सफलता भी मिली है। इसी क्रम में जामुड़िया थाना पुलिस ने कुँआमोड में किराए के मकान में रहने वाले पिंटू मित्रा जो बीरभूम जिला के रामपुरहाट के रोदिपुर गाँव का रहने वाला है, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से मोबाइल फोन एवं दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

वही दूसरी गिरफ्तारी शिवपुर गाँव के रहने वाले युवक मोहम्मद आसिफ का किया गया है।

गिरफ्तार किए गए अपराधियों पर जामुड़िया थाना कांड संख्या 576/2024 में धारा 319(2) 318 (4) 316(2) 336(3) 340(2) 62(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर शनिवार को आसनसोल जिला अदालत में पेश कर जामुड़िया थाना पुलिस ने 7 दिनों की पुलिस रिमांड की मांग किया है।

कांड के जांच अधिकारी ने कहा कि देविका राहा नामक महिला के पास बैंक लोन दिलाने के नाम पर 33 सौ रुपये लिए गए थे। उसके बाद एक अलग व्यक्ति के पास से 4 हजार रुपये बैंक ट्रांजेक्शन के माध्यम से लोन दिलाने के नाम पर ठगी किया गया था। इसके अलावा लाखो रुपये की ठगी बैंक ट्रांजेक्शन के माध्यम से किया गया था। मामला पूरी तरह से ठगी का है।

उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा जांच किया जा रहा है कि ये दोनों ही केवल इस साइबर अपराध में शामिल है या अन्य कोई भी इस अपराध कार्य में लिप्त है ताकि आने वाले समय में और कोई भी इनके ठगी का शिकार ना हो सके।

आशियाने के लिए मद्रासी पाड़ा कुष्ठ पल्ली के दर्जनों परिवार ने मुख्यमंत्री से तीसरी बार लगाई गुहार

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (बराकर): वार्ड 68 के रेलपार स्थित मद्रासी पाड़ा कुष्ठ पल्ली के दर्जनों परिवार ने राज्य की मुख्य मंत्री को चिट्ठी लिखकर तीसरी बार कुल्टी क्षेत्र में सरकारी लीज की जमीन मुहैया कराने की गुहार लगाई.

मालूम हो कि विगत 50 वर्षों से बराकर रेलपार स्थित मद्रासी पाड़ा में कुष्ठ रोगियों के रैन बसेरा है, आहिस्ता आहिस्ता कुछ और गरीब दिहाड़ी लोग यहाँ बस गए. देखा जाय तो 80 प्रतिशत कुष्ठ रोगी के परिवार और 20 प्रतिशत गरीब दिहाड़ी लोग रहते है, जहाँ 60 परिवार के साथ 200 मतदाता है, रेल प्रशासन द्वारा रेल कोरिडोर को लेकर उक्त जमीन को 25 दिसंबर तक खाली करने का फरमान सुनाय गया है, जिसके बाद इन गरीब परिवारो ने 18 नवंबर को अपनी गाथा आसनसोल डीएम और एसडीओ को लिखित आवेदन कर अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई.

इस संदर्भ में कुल्टी भूमि विभाग के अधिकारी ने उक्त स्थल का जायजा लिया, उन्होंने कुछ भी सहायता से साफ इनकार किया, इसके बाद इन लोगों की चिंता और बढ़ गई, विगत 9 दिसंबर को इन सभी लोगों ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लिखित आवेदन कर अपने रैन बसेरे को उजड़ने से रोकने के लिए गुहार लगाई थी, वही फिर से तीसरी बार डीएम से लिखित गुहार लगाकर मुख्यमंत्री से एक बार फिर अपील की, कहा गया कि आखिर में हमलोग डीएम के कार्यालय के सामने धरना देने पर होंगे विवश, इन कुष्ठ परिवार गरीब लोगों धनपति स्वामी, रबी साव, जेरोन भट, सरस्वती अंजली ने बताया कि हमलोगों को कुल्टी के किसी भी क्षेत्र में सरकार जमीन देकर हमे बचाने का कार्य करे, वरना हम सभी सड़क पर आजाएंगे, आखिर कौन सुनेगा इन गरीब ओर दुखियों की,?

आज का राशिफल

29 दिसम्बर 2024
रविवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन अनुकूल रहेगा। पारिवारिक जीवन में चल रहे कुछ महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे। व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें। पिता का सहयोग मिलेगा। व्यापार को बढाने के नये तरीके आपके सामने आयेंगें। आपकी सेहत अच्छी रहेगी।

वृषभ
दिन अच्छा रहेगा। व्यापार में रोज की अपेक्षा ज्यादा मुनाफा होगा। निवेश से जुड़े बेहतर मौके मिल सकते हैं। हर काम ईमानदारी से पूरा करने की कोशिश करें। किस्मत आपका साथ देगी। बेरोजगारों को जॉब मिलने के योग हैं।

मिथुन
दिन खुशियों भरा रहेगा। बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। कामकाज को पूरी सावधानी से करें। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा। गुस्से पर काबू रखे और बिना वजह किसी से ना उलझे।

कर्क
दिन उत्तम रहेगा। अपनी सोच को सकारात्मक रखें। नौकरी क्षेत्र में अच्छे ऑप्शन मिल सकते हैं। जीवनसाथी से सम्बन्ध बेहतर रहेंगे। कोई भी फैसला सोच-समझकर लें। किसी काम में जल्दबाजी करने से आपको बचना चाहिए।

सिंह
दिन अच्छा रहेगा। बिजनेस में परिवार से सहयोग मिलेगा। वर्कप्लेस पर अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें। करियर को लेकर मन में दुविधा जल्द ही दूर हो जाएगी। स्वास्थ्य बेहतरीन रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आयेगी।

कन्या
दिन बढ़िया रहेगा। प्रकृति का आनंद लेंगे। आर्थिक रूप से आपकी स्थिति मजबूत बनेगी। अपने अधूरे कार्यो को पूरा करने के लिए दिन अच्छा है। प्रशासनिक कार्यों को पूरा करने के लिये धैर्य से काम लेना होगा। बच्चों [पर गर्व होगा।

तुला
दिन बेहतर रहेगा। कुछ ज्यादा उर्जावान रहेंगे। बिजनेस में कुछ नया करने की इच्छा होगी। व्यापार में अच्छा लाभ होने से, आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। नौकरी क्षेत्र में प्रमोशन होने के चांस बन रहे हैं। घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक
दिन अच्छा रहेगा। धन लाभ के योग बने हुये है। समाज कल्याण की तरफ आपका रुझान रहेगा। शत्रु आपको हराने का प्रयास कर सकते है। नौकरी कर रहे लोगों को विशेष सफलता हासिल होगी। व्यापारियों को आय के नए स्त्रोत मिलेंगे।

धनु
दिन अच्छा रहेगा। मन अध्यात्मक की तरफ ज्यादा रहेगा। राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बिजनेस में पिता को सहयोग करेंगे। जीवनशैली पर विशेष ध्यान दे।

मकर
दिन शुभ रहेगा। नयी खुशियाँ आने वाली है। कार्यस्थल पर आपके काम की तारीफ़ होगी। मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में फायदे के आसार नजर आ रहे हैं। धन लाभ से आप अपने रुके हुए काम पूरे कर सकते हैं। घुमने का प्लान बना सकते है।

कुंभ
दिन उत्तम रहेगा। कार्यक्षेत्र में उम्मीद के अनुसार कामयाबी हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में किसी बात को लेकर जीवनसाथी से विचार विमर्श करेंगे। दूर की यात्रा करने से बचें। बिजनेस में निवेश के लिए सही समय की प्रतीक्षा करें।

मीन
दिन अच्छा रहेगा। पूरा दिन इंज्वाय से भरा रहेगा। ऑफिस में काम को लेकर बॉस आपकी तारीफ कर सकते हैं। नए लोगों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा। कोई भी नया काम शुरु करते समय माता-पिता की राय जरुर लें, सफलता जरूर मिलेगी।

परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना वर्जित

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): चौकीदार पद पर नियुक्ति के लिए योग्य अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा रविवार, 29 दिसंबर 2024, को जिले के 11 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 11:00 बजे से दोपहर के 12:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न कराने के लिए शनिवार की संध्या एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, सिटी एसपी अजीत कुमार एवं अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार ने समाहरणालय के सभागार में स्टेटिक मजिस्ट्रेट, गश्ती सह उड़न दस्ता दंडाधिकारी तथा पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर एडीएम ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजट्स लेकर प्रवेश करना परीक्षार्थियों के लिए वर्जित रहेगा। इसके अलावा उन्होंने प्रश्न पत्र को ट्रेजरी से लेकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचने, उसका वितरण करने, परीक्षा संपन्न होने के बाद उसे वापस लाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

एडीएम ने सभी मजिस्ट्रेट को परीक्षा के दौरान क्लासरूम का भ्रमण करते रहने, परीक्षार्थियों पर निगरानी रखने तथा कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न कराने का निर्देश दिया।

वहीं सिटी एसपी ने कहा कि सभी परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड के साथ उनके चेहरे का अच्छे से मिलान करें। उन्होंने समय पर प्रश्न पत्र लेकर, समय पर परीक्षा केंद्रों पहुंचने का निर्देश दिया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी ने स्टेटिक मजिस्ट्रेट को आज संध्या ही सेंटर सुपरीटेंडेंट से परीक्षा की तैयारियों के संबंध में जायजा लेने का निर्देश दिया।

बैठक में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, सिटी एसपी अजीत कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी, एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा के अलावा सभी अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

सेवानिवृत्त शिक्षिका पूनम लता को प्रांति इंडिया साहित्य सम्मान से सम्मनित करेंगे

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): हिंदी दिवस के अवसर पर बगौरा- सीवान (बिहार) के प्रतिष्ठित साहित्य संस्थान 'प्रांति इंडिया एण्ड कंपनी' द्वारा 10 जनवरी 2025 को वाराणसी में वार्षिकोत्स पर साहित्य साम्मान का आयोजन किया गया है। जिसके लिए पूरे देश से 111 साहित्यकारों को चुना गया है। साथ ही 51 साहित्य कारों को उनकी पुस्तक के लिए चाँदी का सिक्का प्रदान किया जाएगा।

इस सम्मान कार्यक्रम के तहत झारखण्ड धनबाद हाउसिंग कॉलोनी निवासी धनबाद पब्लिक स्कूल हीरक शाखा की सेवानिवृत्त हिन्दी शिक्षिका श्रीमती पूनम लता को हिंदी साहित्य के क्षेत्र उत्कृष्ट योगदान देने के लिए 'प्रांति इंडिया साहित्य सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि इनके द्वारा रचित एकल पुस्तक 'बदलते परिदृश्य में 'हिन्दी' तथा 'ऋणशोध' कहानी इंकजोन पब्लिकेशन तथा वैदिक पब्लिकेशन के द्वारा प्रकाशित हो चुकी है। इसके पूर्व हरिद्वार में शैक्षिक समागम कार्यक्रम के तहत साहित्यिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। 'साहित्य सरोवर' एवं 'शब्दों की आत्मा'नियमित रूप से इनकी रचनाएँ छपती हैं। साथ ही कई पत्रिकाओं में इनकी रचनाएँ छप चुकी हैं। इसके अतिरिक्त कई साझा संकलन के लिए इन्हें सह लेखिका के रूप में सम्मानित किया जा चुका है।

सीएफएम संक्षिप्त

आरोही नाट्य मंच करेगा 15 दिवसीय थिएटर वर्कशॉप का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): आरोही नाट्य मंच आगामी 30 दिसंबर से 15 दिवसीय थिएटर वर्कशॉप का आयोजन करेगा। संस्था की महासचिव सह टीम लिडर उर्मिला प्रसाद ने बताया कि सांस्कृतिक कार्य निदेशालय झारखंड सरकार के सौजन्य से आगामी 30 दिसंबर को संस्था के पुटकी श्रीनगर स्थित कार्यालय में सुबह 10:00 बजे से वर्कशॉप का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्कशॉप में इच्छुक अभ्यर्थी के लिए प्रवेश निःशुल्क है। वर्कशॉप में अभिनय तकनीक, लाइट एवं सेट डिजाइन, आत्मविश्वास निर्माण, कौशल में सुधार लाना, वॉइस एंड बॉडी ट्रेनिंग, मंच पर प्रस्तुति, व्यावसायिक विकास के साथ-साथ अन्य एक्टिविटी पर निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कला के क्षेत्र में अपना करियर बनाने वालों के लिए यह वर्कशॉप एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

44 प्रशिक्षुओं को मिला प्रशिक्षण प्रमाण पत्र

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के कोलियरी डिवीजन, तासरा प्रोजेक्ट के एमडीओ (टीएमपीएल) के सहयोग से सीएसआर योजना के तहत 44 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र दिए गए हैं। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए चेक और पुरस्कार भी दिए गए। साथ ही, 50 नए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण किट भी दिया गया। सेल के कार्यपालक निदेशक, संजीव कुमार सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, स्वरोजगार, स्वावलंबन और सामाजिक विकास की दिशा में एक अच्छा प्रयास है।

स्वामी विवेकानंद स्कूल में रजत जयंती समारोह का समापन

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): चिरकुंडा के सुंदर नगर स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार को स्कूल प्रांगण में दो दिवसीय रजत जयंती समारोह का समापन बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। स्कूल के बच्चों द्वारा विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम में संथाली डांस, ड्रामा कोई नही बनेगा करोड़पति, नागा फोक डांस, होरो डांस, मेरे ढ़ोलना डांस आदि एक से बढ़ कर एक नृत्य, संगीत एव ड्रामा प्रस्तुत किए गए।मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पार्थसारथी पानीग्रही, सबीताब्रत मंडल व विशिष्ट अतिथि चिरकुंडा थाना प्रभारी रामजी राय के अलावे स्कूल के प्राचार्य संजीव साव व निर्देशक विवेक सिंह आदि मौजूद थे।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पे शोक सभा

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): झरिया नगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रत्नेश यादव के नेतृत्त्व में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन पे शोक सभा एवं श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। सर्व प्रथम मनमोहन सिंह जी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर नम आँखों से उन्हे पुष्प अर्जित किया गया। श्री सिंह के निधन पर रत्नेश यादव ने कहा भारत की मृत अर्थव्यवस्था को जीवन देने बाले महान अर्थशास्त्री को इस देश ने खो दिया उनका योगदान देश कभी नही भूलेगा। मौक़े पर भीम निशाद, मनोज पासवान, कुंदन मोदक, कृष्णा पटेल, शाशी सिंह, सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

इनमोसा ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): शनिवार को कुश कुमार सिंह के नेतृत्व में इनमोसा ने सामाजिक हित के लिए स्वैच्छिक रक्तदान दिवस मनाया, ताकि स्वस्थ लोगों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। बस्ताकोला, ऑफिसर्स क्लब, धनसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।
जिसका उद्घाटन निदेशक (तकनीकी) संजय कुमार सिंह, निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (वित्त) राकेश कुमार सहाय एवं चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर बंदना ठाकुर ने फीता काटकर किया। निदेशक मंडल एवं सीएमओ ने इनमोसा द्वारा आयोजित रक्तदान महादान शिविर की सराहना किया। निदेशक (कार्मिक) ने कहा कि इनमोसा के द्वारा समाज हित के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करना उल्लेखनीय है। कुश कुमार ने बताया कि शिविर में पचास रक्त माइनिंग सुपरवाइजर वीरों का पंजीयन किया गया था जो रक्त महादान किया। उन्होंने कहा कि इनमोसा खदानों के उत्थान के साथ-साथ सामाजिक दायित्व के निर्वाह के लिए अग्रसर है और रक्तदान शिविर का आयोजन प्रत्येक 3 महीने में करने का इनमोसा ने संकल्प लिया है। कुश कुमार ने कहा कि रक्तदान शिविर के आयोजन में बस्ताकोला एवं कुसुंडा एरिया के माइनिंग सुपरवाइजर ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कुश कुमार ने अवगत कराया कि सभी लगभग 40 यूनिट ब्लड केंद्रीय अस्पताल के ब्लड बैंक में सुरक्षित जमा कराए गए। रक्तदान शिविर की सफलता के लिए प्रबंधन की ओर से महाप्रबंधक (बस्ताकोला) अनिल कुमार सिन्हा, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक (बस्ताकोला) अभिषेक राय, क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारी देवाशिश बाग एवं एरिया मेडिकल ऑफिसर (बस्ताकोला) डॉक्टर और इनमोसा के एम पी चौहान, अजीत सिंह, अशोक कुमार कन्नौजिया, विजय यादव, यशवंत कुमार सिंह, जय नंदन पासवान, ओमप्रकाश सिंह, शिव शंकर महतो, रविओंकार, राकेश प्रसाद सिन्हा, बमबेश सिंह, शाम रजक, अरविन्द सिंह, बालेश्वर पंडित, मो. शाहुद अनवर मल्लिक, संजय महतो, नागेंद्र सिंह, रवि भूषणआदि लोग ने सहयोग किया।

बीसीसीएल एरिया 4 का कोयला लुटा जा रहा है, प्रबंधन मौन

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): कतरास/ तेतुलमारी थाना क्षेत्र के पांडेडीह से मंटू जो पुटकी का रहने वाला बताया जा रहा है, बीसीसीएल एरिया 4 के क्षेत्र से अवैध कोयला लोड कर पिकअप वैन से राजगंज थाना क्षेत्र में खपा रहा है, रात होते ही बैरंग दौड़ती हुई नजर आती है पिकअप वैन, जिसे रोकने वाले पुलिस और सीआईएसएफ भी इस ठंड के मौसम में रात्रि सुख रजाई में मगन हो जाते हैं। इधर कारोबारी दर्जनों पिकअप वैन से कोयला टपा कर माले माल हो रहा है। कारोबारी कोयला लूटने में लगे हैं मगर पुलिस को भनक नहीं लगना ये पचना थोड़ा गड़बड़ झाला लग रहा है, नयामोड से शक्ति चौक तक जाने वाली गाड़ियों को तेतुलमारी थाना के सीसीटीवी कैमरे से कैद होकर ही गुजरना होगा, इसके बाद भी पुलिस के गिरफ्त में गाड़ी का नहीं आना मिलीभगत कि और इशारा होता दिख रहा है। वहीं बोकारो। कोयला चोरों के विरुद्ध सीसीएल कथारा क्षेत्रीय सुरक्षा विभाग ने चलाया छापामारी अभियान। छापामारी अभियान में कोयला लदा 16 मोटरसाईकिल तथा 24 साईकिल को किया क्षतिग्रस्त। 9 टन बरामद कोयला को जारंगडीह कोयला स्टोक में गिराया।

कुजामा ओसीपी में उत्पादन ठप होने से दूसरे गुट हुए आंदोलित

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): कुजामा चेकपोस्ट के समीप चल रहें आंदोलन के चलते चार दिनों से आउटसोर्सिंग बंद होने कारण आउटसोर्सिंग प्रबंधन रेस हो गया है। शनिवार को नो वर्क नो पे का नोटिस चिपका दिया है। नोटिस चिपकाने की खबर जैसे ही आउटसोर्सिंग मजदूरों को लगी। वे लोग गोलबंद हो गए। परियोजना स्थल पहुंच कर नारेबाजी करने लगे। घोषणा किया की रविवार से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे। जब तक आउटसोर्सिंग प्रबंधन नो वर्क नो पे का नोटिस वापस नहीं ले लेगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इधर जमसं बच्चा गुट के समर्थक चेकपोस्ट के समीप मैनुअल लोडिंग की मांग को लेकर 11 दिनो से धरना दे रहे हैं। वहीं जनता मजदूर संघ कुंती गुट और जनता श्रमिक संघ के समर्थकों के द्वारा धरना प्रदर्शन के घोषणा से तनाव बढ़ गया है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में ललन पासवान, शिव पासवान, रविकांत पासवान आदि शामिल थे।

चेकपोस्ट पर जंमस (बच्चा गुट) का ग्यारहवे दिन धरना जारी

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) के अनिश्चितकालीन धरना के एग्यार्वे दिन भी जारी है, सभी कार्यकर्ता धरना स्थल पर डटे हुए है, जनता मजदूर संघ के पांच सूत्री मांग को लेकर के कुजामा ओसीपी का उत्पादन ठप है। लेकिन प्रबंधन के तरफ से कोई सार्थक पहल नहीं किया जा रहा है,

मांग यह है 1 स्थानीय लोगों के रोजगार दिया जाए, 2 पेलोडर लोडिंग बंद कर मैन्युअल लोडिंग कराया जाए, 3 देव प्रभा आउटसोर्सिंग में काम कर रहे मजदूरों को 12 घंटा के जगह 8 घंटा किया जाए, 4 देवप्रभा में कार्य कर रहे मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी मिलना चाहिए, 5 देव प्रभा आउटसोर्सिंग से प्रदूषण होने से आसपास के लोगों को काफी परेशानी हो रही है एवं परियोजना में हैवी ब्लास्टिंग करने से मोहरीबन के कई घरों के दीवारों में दरारें एवं हाल ही में बने नए रोड सभी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। मौके पर जनता मजदूर संघ के शाखा सचिव प्रीतम रवानी, रत्नेश यादव, रवीन्द्र प्रसाद, दीपक साव, मुकेश यादव, राजीव पांडे सहित सैकड़ो महिला आदि उपस्थित थे।

राम मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा, सिद्धिविनायक में झूमें दादी भक्त

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): श्री श्री नारायणी परिवार झरिया, धनबाद द्वारा दो दिवसीय नवम् वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार की सुबह 9:00 बजे श्री राम मंदिर से कलश शोभा यात्रा के साथ की गई। सर्वप्रथम पुजारी पवन चौबे ने कलश की पूजा अर्चना कराई जिसमें यजमान के रूप में सुशील भवानी वाला एवं उनकी पत्नी थी। कलश यात्रा में 113 महिलाओं ने कलश उठाया। शोभा यात्रा जोड़ा फाटक रोड स्थित श्री राम मंदिर से निकालकर पुराना बाजार बैंक मोड़ होते हुए धनसार चौक स्थित कार्यक्रम स्थल सिध्दीविनायक पहुंची। उसके बाद संध्या 3:00 बजे से श्री रानी सती दादी जी को मेहंदी लगाकर भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झरिया के प्रसिद्ध गायक पंकज मोदी ने दादी थारा टाबरिया थाने याद करें, झुंझुनू की सेठानी न याद करें.. आदि भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। उसके बाद भोग लगाकर सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया। इस मौके पर नारायणी परिवार के सभी सदस्य व कई दादी भक्त उपस्थित थे।

खुलेआम जारी झरिया में अवैध कोयले का कारोबार, पुलिस प्रशासन बेबश

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): जिले के झरिया थाना क्षेत्र व लोदना ओपी क्षेत्र में कोयले का अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है, काली मंदिर बालू गद्दा के समीप कुछ व्यक्ति इस कारोबार को अंजाम दे रहे हैं, स्थानीय लोगों के अनुसार यह गतिविधि झरिया थाना की मिलीभगत से संचालित हो रही है, गौरतलब है, इससे पहले भी अवैध कारोबार के आरोप में एक व्यक्ति जेल जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी गतिविधियां रुकने का नाम नहीं ले रही है, एसएसपी के सख्त निर्देशों के बावजूद यह अवैध कारोबार क्षेत्र में बदस्तूर जारी है, जिससे पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं, स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस पर तुरंत कार्रवाई की मांग की है, अवैध कोयले के इस कारोबार से न केवल सरकारी राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि यह क्षेत्रीय कानून-व्यवस्था के लिए भी चुनौती बनता जा रहा है।

पूर्व पीएम स्व. मनमोहन सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व से हम सभी को प्रेरणा लेने की जरुरत- पप्पू तिवारी

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): शनिवार को धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव पप्पू कुमार तिवारी ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक प्रकट कर भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा डॉ. मनमोहन सिंह भारतीय राजनीति के एक मजबूत स्तंभ थे, वे एक सच्चे विद्वान, कुशल प्रशासक एवं विनम्र व्यक्तित्व के धनी थे, उनका जीवन सादगी, सेवा और समर्पण की अद्भुत मिसाल है उन्होंने अपनी दूरदर्शिदा, कुशल नेतृत्व से देश की आर्थिक सुधारो एवं अर्थव्यवस्था को ऐतिहासिक रूप से मजबूत करने में देश को एक नई दिशा दी थी, डॉ. मनमोहन सिंह भारत गणराज्य के 13वें प्रधानमंत्री थे। साथ ही साथ वे एक महान अर्थशास्त्री भी थे, लोकसभा चुनाव 2009 में कांग्रेस पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद हुए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने जिनको 5 वर्षों का कार्यकाल सफलता पूर्वक पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। इन्हें 21 जून 1991 से 16 मई 1996 तक पीवी नरसिम्हा राव जी के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्त मंत्री के रूप में आर्थिक सुधारो में किए गए कार्यों में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा हैं। डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में पांच महत्वपूर्ण फैसले लिए गए 2005 में सूचना का अधिकार एवं मनरेगा, 2009 में शिक्षा का अधिकार, 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून एवं भूमि अधिग्रहण कानून इन सभी नियमों को लागू कर उन्होंने देश में गरीब शोषित एवं वंचितों के हक एवं अधिकार को दिलाने की दिशा में उल्लेखनीय व सराहनीय कार्य करने का काम किया है। देशहित में उनके द्वारा किए गए अनगिनत सफल कार्यों को भूलाया नहीं जा सकता आज हम सभी को उनके व्यक्तित्व व कृतित्व से प्रेरणा लेने की दरकार है। उनके निधन से पूरे देश में शोक की लहर है, उनके निधन से पूरे देश को अपूर्णीय क्षति हुई है, ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार एवं शुभचिंतकों को इस दुखद समय में दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

मधुबन वाशरी के कर्मियों ने चोरी के खिलाप किया प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (धनबाद): बीसीसीएल ब्लॉक टू क्षेत्र में संचालित पुरानी मधुबन वाशरी परिसर मे हो रही चोरी व वाशरी की समय-समय पर उचित मेंटनेंस की मांग को लेकर संयुक्त मोर्चा के बैनर तले कर्मियों ने प्रदर्शन किया।

शुक्रवार को वाशरी गेट के समीप प्रर्दशन कर रहे मोर्चा नेताओं ने कहा कि प्रबंधन एक साजिश के तहत मधुबन कोल वाशरी को बंद करना चाहती है। प्रबंधन के इस मंसूबे को कभी सफल नही होने देंगे।

वाशरी परिसर से बाइक, साइकिल, कल पुर्जे की चोरी हो जाती है। तीनो शिफ्ट मिलाकर लगभग चार सौ के आसपास सुरक्षा कर्मी कार्यरत थे, लेकिन वर्तमान में दो सौ सुरक्षा गार्ड कार्यरत है फिर भी चोरी रोकने में नाकाम है।

सीसीटीवी कैमरे की भी व्यवस्था नहीं है। प्रदर्शन के बावजूद प्रबंधन सचेत नही हुआ तो उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

जगदीश साव, बीके बनर्जी, दुर्गा प्रमाणिक, मोती राय, धनंजय महतो, सीताराम कर्मकार, परमेश्वर भुइंया, बेणेश्वर मुंडा, रामवृक्ष दास, सौरभ सुमन, कामाख्या नारायण सिंह, अजय कुमार सिंह, गंगासागर राय, अजय कुमार आदि शामिल थे।

श्रम ही सफलता का उपक्रम सफलता कर्म पर अवलंबित

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है। जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है। बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं। सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा, आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति की आकांक्षा, सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य, करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है। और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है।ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत, ज्ञानेश्वर तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है। आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता है अन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

संजीव ठाकुर
चिंतक लेखक, टिप्पणीकार
रायपुर छत्तीसगढ़

डिजिटलीकरण और नीतियों का प्रभाव: कर संग्रह में उछाल

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: भारत में कर संग्रह में हुई हालिया वृद्धि आर्थिक प्रगति और प्रशासनिक सुधार का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती है। यह वृद्धि सरकार की दूरदर्शी नीतियों और नागरिकों की बढ़ती भागीदारी के सामूहिक प्रयास का प्रमाण है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत, 17 दिसंबर तक प्रत्यक्ष कर संग्रह में 16.45% की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे कुल संग्रह राशि 15.82 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह उपलब्धि न केवल भारत की आर्थिक सुदृढ़ता और पारदर्शी प्रशासन का परिचायक है, बल्कि कर प्रणाली में किए गए सतत सुधारों का प्रत्यक्ष प्रमाण भी है।

इस उपलब्धि के पीछे सरकार की सुविचारित आर्थिक नीतियां, डिजिटलीकरण की पहल, और नागरिकों की कराधान के प्रति बढ़ती जागरूकता है। कर संग्रह में हुई इस वृद्धि का बड़ा हिस्सा अग्रिम कर (एडवांस टैक्स) और स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) से आया है, जो कुल संग्रह का 13.49 लाख करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त, 2.37 लाख करोड़ रुपये के कर रिफंड ने भी अपनी अलग पहचान बनाई है। यह कर रिफंड्स में 42.49% की वृद्धि कर प्रशासन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करती है।

डिजिटल प्रौद्योगिकी ने कर प्रशासन को अधिक सुसंगठित, कुशल और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ई-फाइलिंग, ऑनलाइन कर भुगतान, और रिटर्न प्रक्रिया में डिजिटलीकरण ने करदाताओं के अनुभव को न केवल बेहतर बनाया, बल्कि कर चोरी जैसी समस्याओं पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है। कठोर विधिक प्रावधान और निगरानी तंत्र ने इस दिशा में योगदान किया है।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और प्रत्यक्ष कर सुधारों ने न केवल कराधान के दायरे का विस्तार किया है, बल्कि अनौपचारिक क्षेत्रों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में समाहित करने के सरकार के प्रयास को भी बल दिया है। यह सुधार न केवल कर संग्रह को बढ़ाने में सहायक रहे हैं, बल्कि उन्होंने कर प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही के उच्च मानक स्थापित किए हैं।

कर संग्रह में हुई वृद्धि का आर्थिक और सामाजिक प्रभाव दूरगामी है। यह न केवल सरकारी राजस्व को सुदृढ़ करता है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण योजनाओं में निवेश के लिए आवश्यक संसाधन भी प्रदान करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, निर्धन वर्ग के लिए सब्सिडी, और शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव योजनाओं के शुभारंभ के लिए यह कर राजस्व एक आधारभूत स्रोत है।

इसके अतिरिक्त, कर संग्रह आर्थिक विषमता को कम करने में भी सहायक है। कर राजस्व का विवेकपूर्ण उपयोग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच मौजूद विकासात्मक अंतराल को पाटने में सहायक सिद्ध होता है। यह आर्थिक समावेशिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो राष्ट्र को समृद्ध और सशक्त बनाता है।

हालांकि, चुनौतियाँ अभी भी विद्यमान हैं। भारत की बड़ी जनसंख्या कर प्रणाली के दायरे से बाहर है। विशेष रूप से, अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों और व्यवसायों को औपचारिक ढांचे में शामिल करना एक कठिन कार्य है। सरकार को कर प्रणाली को और अधिक सरल, सुसंगत, तथा पारदर्शी बनाने के लिए प्रयास करना होगा। कर प्रोत्साहन योजनाओं (टैक्स इंसेंटिव) के माध्यम से करदाताओं को प्रोत्साहित किया जा सकता है। साथ ही, डिजिटल प्रौद्योगिकियों के व्यापक उपयोग से कर प्रशासन को सशक्त बनाया जा सकता है। यह न केवल चुनौतियों का समाधान होगा, बल्कि कर प्रणाली में विश्वास और सहभागिता को भी नई ऊँचाई प्रदान करेगा।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में, भारत का कर संग्रह अन्य विकासशील देशों की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है। यह भारत की आर्थिक ताकत और वित्तीय प्रबंधन की प्रभावशीलता को दर्शाता है। कर संग्रह में इस प्रगति ने भारत को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना दिया है। भारत में कर संग्रह में हुई यह अभूतपूर्व वृद्धि न केवल आर्थिक स्थिरता का प्रतीक है, बल्कि सरकार और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों की परिपक्वता को भी दर्शाती है। यह उपलब्धि भारतीय अर्थव्यवस्था के उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करती है और राष्ट्रीय विकास यात्रा में एक सुदृढ़ मील का पत्थर स्थापित करती है।

आने वाले समय में, सरकार को कर प्रणाली को और अधिक समावेशी, सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में सतत् प्रयासरत रहना होगा। नागरिकों को भी यह समझने की आवश्यकता है कि उनका आर्थिक योगदान न केवल राष्ट्रनिर्माण का आधार है, बल्कि यह भारत को वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक प्रमुख स्थान दिलाने की दिशा में भी सहायक है। यदि यह प्रवृत्ति सतत् रूप से जारी रहती है, तो भारत निकट भविष्य में विश्व की आर्थिक महाशक्तियों में अग्रणी स्थान पर होगा।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (म.प्र.)

बैठे हैं बेजार हमारे तारणहार

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: "संसद के दोनों सदनों में या विधानसभाओं में नेता गण करते क्या हैं?"

"भोले भंडारी भाई! इतना भी नहीं मालूम? गालियों से गली नुक्कड़ का एहसास दिलाते हैं। दस्तावेजों को धड़ल्ले से फाड़ते फेंकते रहते हैं और वायु देव को भोग चढ़ाते हैं उनका। कभी-कभी मल्ल युद्ध वही कुश्ती का आनंद धींगामुश्ती करते हुए लेते हैं और हमारा मनोरंजन करते हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के वाक युद्ध के बीच कुछ प्रजा सेवक इन सारे कार्यकलापों को देख कर थक जाते हैं तो ऊँघते रहते हैं या सो जाते हैं। कुछ नेता तो सारी नैतिकता और बौद्धिकता को दरकिनार रखकर विकृत वीडियो देखते रहते हैं। बताना तो मैं भूल ही गया। विपक्ष के हो हल्ला और शोरगुल के बीच सत्ता पक्ष विधेयक पारित कर लेते हैं। इसके अलावा मेजें थपथपाना, अपने-अपने मुखिया का गुणगान करते हुए उन्हें चने के पेड़ पर चढ़ाना। अपनी योजनाओं के बारे में लंबा चौड़ा प्रशस्ति गान करना भी इसी प्रक्रिया के अंग हैं।"

"जनता की समस्याओं पर प्रश्न करना भी तो इन्हीं सत्रों में महत्वपूर्ण बात है कि नहीं?"

"कुछ नेता सैकड़ों सवालों के तीर चला कर सत्ता पक्ष को हडबड़ा देते हैं। ऐसा कभी-कभी अखबारों में पढ़ा करता हूं। मुझे लगता है जो इतने सारे प्रश्न करते हैं, अपनी पढ़ाई के वक्त वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के सारे उत्तर ठीक-ठीक लिख गए होंगे शायद। इसीलिए प्रश्नों के प्रति प्रेम है उनका।"

"हुई तो भारी बारिश या फिर पड़ता है सूखा। उस स्तर पर प्रश्न पूछने वाले बस इने गिने हैं। बहुत कम हैं। बहुत सारे नेताओं को किसी भी सदन में जनता की ओर से आवाज उठाने का किसी तरह का उत्साह ही नहीं दिखाई पड़ता। नामीचीन नेताओं को ही कुछ सत्रों में प्रश्न पूछने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। वोट डालकर संसद या विधानसभा में जनता ने भेजा है। उसकी तरफ से कुछ सवाल उठाकर 'जवाब दीजिए' की आवाज उठाएंगे, तभी न जनता को लगेगा कि हां नेताओं में समाज के प्रति दायित्व है, कर्तव्यबोध है।"

"तुम्हारा कहना सही है फिर भी..."

"फिर भी क्या। उत्तर प्रदेश विधानसभा में पिछले पाँच सालों में 174 विधायक ऐसे हैं जिन्होंने कभी कोई सवाल ही नहीं पूछा, न ही कोई मुद्दा उठाया। उनमें सत्ता पक्ष के नेताओं को छोड़ भी दिया जाए, तो विपक्ष के विधायकों का जन कल्याण के प्रति किंचित भी ध्यान दिखाई नहीं पड़ता। ऐसा तो नहीं है न कि उस प्रदेश में कोई भी समस्या नहीं है। विधानसभा में जाकर नकली बाबाओं की तरफ ध्यान लगाए, आंखें मूंदे रहने से क्या फायदा ऐसे लोगों को चुनने का?"

"तुम्हारा मानसिक विकास अभी तक पूरा नहीं हुआ, ऐसा मुझे लगता है। जब फसल कट गई तो ठूँठों को कौन पूछता है?"

"क्या कह रहे हो?"

"सच्चाई तो यह है कि कुछ नेता इसीलिए जनसेवा का झंडा फहराते हुए राजनीति में आते हैं ताकि अगली पीढ़ियों के लिए असीम धनराशि हासिल करें। इसके लिए झगड़ों की पंचायत करना, जमीन पर कब्जा करना, डराना–धमकाना, अपराध, मामले, कोर्ट-कचहरी....कितनी सोच.... कितना मानसिक दबाव झेलना होता है उन्हें। नेताओं के बीच विधानसभा या संसद में आना ही तो बहुत बड़ी बात है। आ गए इतना ही बहुत है। आप कहते हो कि जन सेवा, जन कल्याण के लिए आवाज उठाना चाहिए? अब इतनी ऊर्जा कहां बची है भाई? इतना ही नहीं। पिछले दिनों संसद में प्रश्न पूछने के लिए रिश्वत मांगने वाले सांसदों के बारे में पढ़कर पूरा देश तो मुंह बाए खड़ा रहा कि नहीं। इसी से साबित होता है कि कई नेताओं का परम लक्ष्य क्या है और उनका ध्यान किधर है!"

"सच कहते हो। कहा तो यह जा रहा है कि कई राज्यों में पूरे साल विधानसभा में 30 दिन भी सत्र नहीं चलाये जाते। विधेयकों को आनन-फानन पारित कराने को छोड़कर, उन विधेयकों की अच्छाई बुराई या जनता के कल्याण संबंधी बातों पर किसी को क्या पड़ी है?"

"अरे ऐसा कैसे कहते हो भाई? कानून या विधेयक जनता की भलाई के लिए ही तो ला रहे हैं, जैसा कि सारे राजनीतिज्ञ कहते हैं। ऐसे में चर्चा की बात कहां आती है? जब वे विपक्ष में थे तो सत्ता पक्ष के साथ जो किया, आज वही सत्ता पक्ष विपक्ष में रहकर पुराने विपक्षी और वर्तमान सत्ता पक्ष के साथ कर कर रहे हैं। कोई बदलाव नहीं। हिंदी में रीमेक हुई या फिर से बनी फिल्म को मूल भाषा में देखने जैसा हो गया है यह सारा मामला।"

"बहुत बढ़िया बोले हैं भाई! सदनों के बाहर रहकर विरोधी पक्ष पर बातों का बम बरसाते थक जाते हैं। शायद इसीलिए सदन में आकर ये नेता आराम फरमाते रहे होते हैं।"

"ऐसा सोचने के अलावा हम कर भी क्या सकते हैं? जिस तरह गीता में कहा गया 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' ठीक उसी तरह केवल वोट देने तक ही आम जनता का काम रह गया है। फल की इच्छा कैसे करें? इन अकर्मण्य नेताओं की नकेल एक ही चीज कस सकती है, वह है वोट। जब यह बात जनता के सामने स्पष्ट होगी, जब स्पष्टता नेताओं में भी दिखेगी, तभी सारे रास्ते पर आएंगे और प्रजातंत्र या लोकतंत्र का तरीका बदलेगा। है कि नहीं?"

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

कविता और यात्रा के चौराहे पर मुलाकात

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: मुंबई से वाराणसी तक मेरी 30 घंटे की ट्रेन यात्रा थी। मैंने भारत को यथासंभव प्रामाणिक तरीके से देखने का विकल्प चुना: स्थानीय बसें, ट्रेनें, बाइक और रिक्शा लेना।

भारत आने के बाद से यह मेरी सबसे लंबी यात्रा थी, और यात्रा काफी आरामदायक थी। सोने, पढ़ने और लिखने के लिए समय के साथ, मैं लगभग वहाँ पहुँच गया था।

जब ट्रेन एक स्टेशन के पास पहुँच रही थी, तो मैंने किसी से पूछा कि क्या अगला स्टॉप वाराणसी है। मुझे लगता है कि वे मेरी बात नहीं समझ पाए, और चूँकि मेरे फ़ोन का नक्शा काम नहीं कर रहा था, इसलिए मैं यह सोचकर ट्रेन से उतर गया कि मैं वाराणसी पहुँच गया हूँ। पता चला कि मैं नहीं पहुँचा था!

मेरे भारी सूटकेस को बाहर खींचने के बाद, रिक्शा चालकों ने मुझसे कहा, "नहीं, नहीं, नहीं, वाराणसी 100 किमी दूर है!" ... वाह, मैं यहाँ कैसे पहुँच गया? रात के लगभग 9 बज रहे थे।

मैं स्टेशन पर वापस गया, 30 मिनट तक इंतज़ार किया, सभी से पूछा कि क्या कोई ट्रेन आ रही है, और ऑनलाइन जाँच की, लेकिन मुझे कोई जवाब नहीं मिला। इसलिए मैंने टैक्सी लेने का फैसला किया और फिर से स्टेशन से निकल गया।

लेकिन फिर, एक मज़ेदार भारतीय व्यक्ति जिसने खुद को एक लेखक और कवि के रूप में पेश किया, ने मेरा सूटकेस उठाने में मदद की पेशकश की। उसने मुझसे पूछा कि मैं कहाँ जाना चाहता हूँ, और ठीक समय पर, उसने मुझे बचा लिया क्योंकि वाराणसी जाने वाली ट्रेन 5 मिनट में आने वाली थी! हम साथ-साथ प्लेटफ़ॉर्म पर वापस भागे।

मैं इस आदमी का बहुत आभारी था। उसने मुझे अपनी कुछ रचनाएँ दिखाईं और मुझे सही ट्रेन में चढ़ने में मदद की। अपने स्टॉप को मिस करने का कितना काव्यात्मक और मज़ेदार तरीका था! यह एक शानदार रोमांच और अप्रत्याशित मुलाकात साबित हुई। एक लेखक के रूप में, मैं एक भारतीय लेखक से इतनी अचानक मुलाकात करके मंत्रमुग्ध हो गया।

मैं खुद से पूछता रहा: मैं इस स्टेशन पर ट्रेन से क्यों उतरा?

केवल भगवान ही जानता है। शायद कोई अदृश्य शक्ति।

मुझे भारत में ऐसे दयालु और मददगार लोग पाकर खुशी हुई।

अशोक कुमार
और जीन पिग्नोली

कर्मचारियों की कमी से जूझती शासन व्यवस्था

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: सरकारी कर्मचारियों का छोटा आकार अधिकारियों पर अत्यधिक बोझ डालता है, जिससे प्रभावी नीति निष्पादन मुश्किल हो जाता है। अपर्याप्त जनशक्ति और अत्यधिक प्रक्रियाओं के कारण सेवाओं में देरी होती है, क्योंकि अधिकारी काम की मात्रा को संभालने के लिए संघर्ष करते हैं। भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं। भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है। लोगों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य पेशेवरों की भर्ती बढ़ाएँ, जिससे कुशल कार्यबल सुनिश्चित हो। मिशन कर्मयोगी जैसे पार्श्व प्रवेश कार्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण पहल सिविल सेवकों के कौशल और दक्षता में सुधार कर सकते हैं।

भारतीय शासन व्यवस्था को अक्सर 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है, जो कि प्रभावी शासन के लिए उपलब्ध बड़ी प्रशासनिक मशीनरी और सीमित मानव संसाधनों के बीच असंतुलन को दर्शाता है। जबकि नौकरशाही प्रक्रियाएँ अच्छी तरह से स्थापित हैं, कर्मियों की कमी कुशल कार्यान्वयन में बाधा डालती है। यह विरोधाभास देरी, अक्षमताओं और अपर्याप्त सार्वजनिक सेवा वितरण का कारण बनकर शासन को प्रभावित करता है, जिससे नागरिकों की जरूरतों के प्रति राज्य की जवाबदेही कम होती है। शासन व्यवस्था को 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है। भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं। भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास केवल 7,000 कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व में 22,000 कर्मचारी हैं, जो राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता के प्रबंधन में प्रभावशीलता को सीमित करता है। नीति -निर्माण अत्यधिक केंद्रीकृत है, लेकिन कार्यान्वयन सीमित फ्रंटलाइन कर्मियों द्वारा की जाने वाली एक बोझिल प्रक्रिया बनी हुई है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजनाओं को क्रियान्वित करता है, जबकि नीति निर्माण मंत्रालय स्तर पर रहता है, जिससे देरी और लागत में कमी आती है। सरकारी कर्मचारियों का छोटा आकार अधिकारियों पर अत्यधिक बोझ डालता है, जिससे प्रभावी नीति निष्पादन मुश्किल हो जाता है। अपर्याप्त जनशक्ति और अत्यधिक प्रक्रियाओं के कारण सेवाओं में देरी होती है, क्योंकि अधिकारी काम की मात्रा को संभालने के लिए संघर्ष करते हैं। बोझिल विनियामक मंजूरी और अग्रिम पंक्ति के निर्णय लेने वाले प्राधिकरण की कमी के कारण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को लागत में वृद्धि और देरी का सामना करना पड़ता है। नीति निर्माण और निष्पादन का विभाजन निर्णय लेने वालों और सेवा कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच एक वियोग पैदा करता है, जिससे खराब प्रदर्शन के लिए जवाबदेही कम हो जाती है। जब सड़क निर्माण परियोजनाओं में समस्याएँ आती हैं, तो मंत्रालयों और कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच निगरानी के लिए स्पष्ट ज़िम्मेदारी की अनुपस्थिति के कारण दोषारोपण और अक्षमताएँ होती हैं। सरकार के भीतर कौशल की कमी के कारण महत्वपूर्ण कार्यों के लिए निजी परामर्श फर्मों पर निर्भरता बढ़ जाती है, जिससे सार्वजनिक व्यय बढ़ जाता है। भारत सरकार ने उन कार्यों के लिए परामर्श शुल्क पर 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए, जिन्हें बेहतर प्रशिक्षित अधिकारियों के साथ घर में ही प्रबंधित किया जा सकता था। नौकरशाही की जटिल प्रक्रियाएँ जोखिम लेने और विवेकाधीन निर्णय लेने से परहेज़ पैदा करती हैं, जिससे नवाचार बाधित होता है और अनुकूलन धीमा होता है। उच्च सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन और नौकरी की सुरक्षा के साथ प्रोत्साहनों का गलत संरेखण ऐसे लोगों को आकर्षित करता है जो सामाजिक सेवा के बजाय वित्तीय लाभ से प्रेरित होते हैं। लोगों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य पेशेवरों की भर्ती बढ़ाएँ, जिससे कुशल कार्यबल सुनिश्चित हो। मिशन कर्मयोगी जैसे पार्श्व प्रवेश कार्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण पहल सिविल सेवकों के कौशल और दक्षता में सुधार कर सकते हैं। कार्यान्वयन से संबंधित निर्णय लेने, जवाबदेही में सुधार और प्रक्रियाओं को गति देने के लिए प्रत्यायोजित अधिकार के साथ फ्रंटलाइन कर्मियों को सशक्त बनाएँ। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समान नीतियों को क्रियान्वित करने में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को अधिक नियंत्रण देने से देरी कम होती है और दक्षता में सुधार होता है।

लाइसेंस और मंजूरी के बोझ को कम करने के लिए नौकरशाही प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करें, जिससे नागरिकों और व्यवसायों के लिए सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच आसान हो। परमिट और अनुमोदन के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करने वाले ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जटिलता को कम कर सकते हैं और प्रक्रियाओं को गति दे सकते हैं। मध्यम वेतन सुधार लागू करें जो सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन को निजी क्षेत्र के मुआवजे के साथ संरेखित करते हैं, भ्रष्टाचार को हतोत्साहित करते हैं और सामाजिक सेवा से प्रेरित व्यक्तियों को आकर्षित करते हैं। प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहनों को लागू करना और प्रतिस्पर्धी, लेकिन उचित वेतन सुनिश्चित करना सामाजिक सोच वाले पेशेवरों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के आकर्षण को बढ़ा सकता है। निरीक्षण और जवाबदेही तंत्र को मजबूत करें: नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और केंद्रीय सतर्कता आयोग जैसी एजेंसियों में सुधार करें ताकि ऑडिट और जांच को अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके और केवल अनुपालन के बजाय नीति उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। निरीक्षण एजेंसियों को नीतिगत निर्णयों की जटिलताओं के प्रति संवेदनशील बनाने से यह सुनिश्चित होगा कि वे संदर्भ को समझें, जिससे मुकदमेबाजी और परियोजना निष्पादन में देरी कम होगी।. भारत के 'लोगों की संख्या कम' लेकिन 'प्रक्रियाओं की संख्या अधिक' होने के कारण शासन में अधिक जवाबदेही और दक्षता की आवश्यकता है। मानव संसाधनों को मजबूत करना, निर्णय लेने को विकेंद्रीकृत करना और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना सार्वजनिक सेवा वितरण को सुव्यवस्थित कर सकता है, जिससे बेहतर पहुंच और जवाबदेही सुनिश्चित हो सकती है। भविष्य-केंद्रित दृष्टिकोण को क्षमता निर्माण और पारदर्शिता पर जोर देना चाहिए, जिससे अधिक जन-केंद्रित और प्रभावी शासन प्रणाली को बढ़ावा मिले।

प्रियंका सौरभ

धार्मिक ग्रंथो को पढ़े और कर्म का महत्व को समझे

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: गर्भवतियां रामायण पढ़ेगी तो पैदा होंगे संस्कारी बच्चे खबर सुर्खियों में आई थी। राष्ट्र सेविका समिति द्धारा गर्भ संस्कार का राष्ट्रव्यापी अभियान पहल प्रशंसनीय है| संस्कारयुक्त भावीपीढ़ी के निर्माण के लिए राष्ट्र सेवा समिति गर्भवती महिलाएं रामायण या अपने धर्म के किसी भी ग्रंथ को पढ़कर अपने बच्चे में संस्कार डालने की शुरुआत कर सकती हैं। गर्भवती महिलाओं को धार्मिक ग्रंथ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा| साथ ही उन्हें मंत्रोच्चारण और योग करने के लिए प्रेरित भी किया जाने की पहल की है| एक जानकारी के मुताबिक बड़े और बुजुर्गों की माने तो 'श्रीमद भगवद गीता' और रामायण आदि ग्रंथो को पढ़ने से गर्भवती महिला का मन शांत रहता है और शिशु में अच्छे गुणों का विकास होता है। इसलिए गर्भावस्था में किताबें पढ़ना चाहते हैं और अगर आप धार्मिक किताबे पढ़ना चाहती हैं तो 'श्रीमद भगवद गीता' और रामायण पढ़ने की सलाह दी जाती है। वास्तु शास्त्र के सिद्धांतों के अनुसार, गर्भवती महिला के कमरे में पति और पत्नी के हंसमुख चित्रों को भी प्रदर्शित करने की सलाह दी जाती है। ऐसा करने से बच्चे का अपने माता-पिता के साथ गहरा रिश्ता बना रहता है| उदाहरण स्वरूप अर्जुन पुत्र अभिमन्यु जिसने अपनी मां के गर्भ में ही चक्रव्यूह भेदने की कला सीख ली थी| आज भी बड़े-बुजुर्ग, धर्मगुरु और उपदेशक गर्भवती महिलाओं को भागवत भजन करने और सत्संग सुनने की सलाह देते हैं, ताकि गर्भ में पल रहे बच्चे पर इसका असर हो| सनातन धर्म, संस्कृति और परंपरा वाले देश में ऐसी मान्यताएं आम हैं| यह किस्सा भले ही आपको कल्पित लगे लेकिन वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि ऐसा होता जरूर है। बच्चा सबसे पहले अगर किसी की आवाज पहचानता है तो वह उसकी मां ही है। ज्ञान आध्यत्मिक रूप से मिले, धार्मिक ग्रंथों मे छुपे गूढ़ रहस्यों को जानने समझने के लिये प्राचीन ग्रंथो को पढना, सुनना, समझना आवश्यक है| ज्ञान होने से प्राचीन ग्रंथो का सम्मान होगा वही उनके रख रखाव की और ध्यान आकर्षित होगा साथ ही उपदेशो से ईश्वर के प्रति आस्था प्रबल होकर जीवन के मायनों को सार्थकता भी प्राप्त हो सकेगी| जीवन में ज्ञान को ज्यादा बढ़ाने हेतु ज्ञान आवश्यक है| बेंगलुरु स्थित सनातन कंपनी ने देश के शास्त्रीय ग्रंथों को ताड़ पत्र पर तेयार करने कि विधि विकसित की है| इस विधि को पेटेंट कराने कि कार्यवाही जारी है| प्राचीन भारत मे ताड़ पत्रों पर ही पुस्तकें लिखी जाती थी| सनातन कंपनी ने गीता, विष्णु सहस्त्रनाम, हनुमान चालीसा, शिवाष्टक, लिंगाअष्टक, बिलवाअष्टक, अष्टलक्ष्मी स्त्रोत आदि ताड़ पत्रों तेयार कर लिया गया है| जो कि बहुत ही कम दामो. पर उपलब्ध है| वही जिला धार मे राजा भोज शोध संस्थान ने १७ दुर्लभ ग्रंथों को विभिन्न स्थानों से संग्रहित कर सहेजा है| साथ ही ४०० पुस्तकों को विधियार्थियों के शोध हेतु संग्रहित किया है| वाकई प्राचीन दुर्लभ ग्रंथों को बचाना पुनीत कार्य है| वही ताड़ पत्रों पर लिखे ग्रंथों का ई-बुक की लोकप्रियता मे अपना अलग महत्व भी है| कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥ अर्थ: कर्म पर ही तुम्हारा अधिकार है, कर्म के फलों में कभी नहीं... इसलिए कर्म को फल के लिए मत करो। एक वाक्य याद आरहा। मोहन को इस बात की चिंता सताती थी कि वो पूर्व जन्म में कुछ ना कुछ था। तथा उसे ऐसा लगता कि वो जिस जगह को देख रहा वो उसकी देखी हुई है। ये वाक्या उसे हर बार सपने में भी दिखता रहता है। फिर सोचता है कि मैंने ऐसे क्या कर्म किये जो उसे मोक्ष नही दिला सके। पुनर्जन्म की घटना सताती रहती है। वो एक दिन अपने गुरु के पास गया और उसने सवाल यही पूछा। गुरु ने बताया कि जिस प्रकार इस जन्म में मनुष्य होकर हम शुभ व अशुभ कर्म करते हैं, इसी प्रकार पूर्वजन्म में भी हमारी आत्मा ने कर्म किये थे। उन कर्मों का शुभ व अशुभ फल हमें भोगना होता है। कुछ क्रियमाण कर्मों का फल हमें कर्म करने के साथ या कुछ समय बाद इसी जन्म में मिल जाता है। जिन कर्मों का फल जीवात्मा को पूर्वजन्म में नहीं मिल पाता उस कर्म-समुच्चय को प्रारब्ध कहते हैं। उन कर्मों का फल भोगने के लिये ही हमारा यह जन्म हुआ व होता है। हम प्रत्येक जन्म में अपने पूर्व किये हुए कर्मों का फल भोगने के लिये ईश्वर के द्वारा उपयुक्त योनि में जन्म लेते रहेंगे और अपने कर्मों का फल भोगते रहेंगे। इसी को कर्म-फल व्यवस्था कहा जाता है। इसलिए कर्म पर अधिकार तो कर्म फलों पर नही। ये तो पूर्वजन्म के कर्म फल होते है जिन्हें अगले जन्म में भोगना पड़ते ही है। इसलिए इस जन्म कर्मफल की आशा इस जन्म में किये गए कार्यो से कदापि नही करना चाहिए। मोहन अपने गुरु की बात को अच्छी तरह समझ गया। नेक, शुभ कार्य ही कर्म को अगले जन्म में शुभ फल दे सकते है।

संजय वर्मा "दृष्टि"

विलफुल डिफॉल्टर: बैंकिंग प्रणाली के लिए गंभीर चुनौती

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: देश की बैंकिंग प्रणाली में विलफुल डिफॉल्टरों की संख्या में बढ़ोतरी एक गंभीर और चिंताजनक चुनौती बन गई है। यह समस्या आर्थिक स्थिरता को कमजोर करने के साथ-साथ वित्तीय संस्थानों की साख और कार्यकुशलता पर भी गहरा प्रभाव डाल रही है। मार्च 2024 तक 2,664 विलफुल डिफॉल्टरों पर लगभग 2 लाख करोड़ रुपये का ऋण बकाया है। बीते पांच वर्षों में इस संख्या में 24% की वृद्धि हुई है, जो बैंकिंग प्रणाली में अनुशासन और नियामकीय व्यवस्था की कमियों को उजागर करती है। यह समस्या मात्र आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की आर्थिक संरचना को भी प्रभावित करने की क्षमता रखती है। विलफुल डिफॉल्टर वे व्यक्ति या कंपनियां होती हैं, जो जानबूझकर अपने कर्ज का भुगतान नहीं करतीं, जबकि उनके पास इसे चुकाने की पूरी क्षमता होती है। इनमें गीतांजलि जेम्स, एबीजी शिपयार्ड और कॉक्स एंड किंग्स जैसी कंपनियां शामिल हैं, जिन पर हजारों करोड़ रुपये का बकाया है। ऐसे डिफॉल्टर बैंकिंग प्रणाली पर दबाव बढ़ाते हैं और छोटे एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) जैसे क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं, जो पहले से ही वित्तीय कठिनाइयों से जूझ रहे हैं। कर्ज वसूली में कानूनी और प्रशासनिक देरी इस समस्या को और जटिल बना देती है, जिससे बैंकिंग और व्यापारिक क्षेत्र की विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

इस समस्या के पीछे वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता की कमी जैसे गंभीर कारण छिपे हैं। कई कंपनियां अपनी वास्तविक आर्थिक स्थिति को छिपाकर बैंकों से कर्ज हासिल करती हैं और फिर उसे जानबूझकर नहीं चुकातीं। इसके अलावा, बैंकों की कर्ज वितरण प्रक्रिया में लापरवाही और कमजोर नियामकीय तंत्र इस संकट को और गहराई देते हैं। कानूनी प्रक्रियाओं में देरी डिफॉल्टरों को अपने दायित्वों से बचने का आसान रास्ता प्रदान करती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस समस्या से निपटने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बैंकों को ऐसे डिफॉल्टरों की पहचान करने, उनकी संपत्तियां जब्त करने और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, कर्ज वसूली प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने के लिए बैंकों को छह महीने की समय सीमा में कार्रवाई करने को कहा गया है। हालांकि, कानूनी प्रक्रियाओं में देरी और प्रशासनिक जटिलताएं इन प्रयासों को धीमा कर देती हैं।

विलफुल डिफॉल्टरों की समस्या से निपटने के लिए ठोस और व्यापक कदम उठाने की आवश्यकता है। बैंकों को कर्ज वितरण प्रक्रिया में कठोरता और सतर्कता बरतनी होगी। डिजिटल तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन का उपयोग करके कर्ज वितरण और निगरानी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकती है। साथ ही, कर्ज वसूली प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने के लिए विशेष अदालतों और न्यायाधिकरणों की स्थापना की जानी चाहिए। एमएसएमई क्षेत्र को वित्तीय संकट से उबारने के लिए सरकार को लक्षित नीतिगत सहायता प्रदान करनी होगी। इनके लिए विशेष पुनर्भुगतान तंत्र और वित्तीय पैकेज उपलब्ध कराए जाने चाहिए। बैंकों को एमएसएमई कर्जदारों के लिए एक समर्पित निगरानी और सहायता प्रणाली स्थापित करनी चाहिए, जो उनकी वित्तीय चुनौतियों का प्रभावी समाधान प्रदान कर सके।

यह समस्या केवल बैंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की आर्थिक संरचना और विकास पर गहरा प्रभाव डालती है। बड़े डिफॉल्टरों द्वारा कर्ज न चुकाने से बैंकों को एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स) की गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है, जो उनकी वित्तीय स्थिरता को कमजोर करता है। इस जटिल समस्या के समाधान के लिए सरकार, बैंकिंग क्षेत्र और न्यायपालिका को मिलकर सख्त नियमों का क्रियान्वयन और पारदर्शी तंत्र की स्थापना करनी होगी। विलफुल डिफॉल्टरों की समस्या देश की आर्थिक स्थिरता के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। इसे सुलझाने के लिए ठोस नीतियां, सख्त निगरानी और डिजिटल तकनीकों का व्यापक उपयोग आवश्यक है। यह न केवल बैंकिंग प्रणाली को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि समग्र आर्थिक विकास को भी गति देगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
बड़वानी (म.प्र.)

अरूप चटर्जी ने स्वार्थवश गोपीनाथपुर का माहौल विषाक्त बना दिया- अपर्णा सेनगुप्ता

कोलफील्ड मिरर 29 दिसंबर (निरसा): पूर्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने कहा कि गोपीनाथपुर ओसीपी प्रकरण में विधायक अरूप चटर्जी का चरित्र उजागर हो चुका है.

अरूप चटर्जी ने अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए गोपीनाथपुर का माहौल विषाक्त बना दिया है. अपर्णा सेनगुप्ता शनिवार को ईसीएल मुगमा क्षेत्र की गोपीनाथपुर कोलियरी ओसीपी के समक्ष दिए जा रहे भाजपा के धरना में शामिल हुईं.

वहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि जेपीसीएल कंपनी को लाने और उसके साथ एग्रीमेंट करने का काम खुद अरूप ने किया था. आज वही कंपनी विधायक की नजरों में खराब हो गई?. सिक्योरिटी इंचार्ज उन्हीं का आदमी था. विधायक ने कपनी को अपने आदमियों को रखने की लिस्ट दी, जिसमें कई लोग गिरिडीह के हैं.

अपर्णा ने विधायक अरूप चटर्जी के हस्ताक्षर वाले एग्रीमेंट पेपर को लहराते हुए कहा कि इनके हांथी जैसे दो दांत हैं, दिखाने के अलग और खाने वाले अलग. विधायक ने क्षेत्र में भाई–भाई को लड़वाने का काम किया. क्षेत्र की तीन पंचायतों के लोगों को नियोजन देने की बात थी. लेकिन इसमें गिरिडीह के लोगों को भी शामिल कर दिया गया. यह अनुचित है. उनकी हर चाल को उजागर किया जाएगा. आउटसोर्सिंग में अभी 161 मजदूर कार्यरत हैं.

प्रेसवार्ता में जिप सदस्य संजय सिंह, प्रशांत बनर्जी, मुन्ना सिंह, दुखू बेग, सुजीत चंद्रा, गोपाल राय आदि मौजूद थे।

समाजसेवी डॉ दीपक के नेतृत्व में चिकित्सा शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 29 दिसंबर (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के बाखरपुर सुदूर दियारा क्षेत्र में युवा राजद नेता व समाजसेवी डॉ दीपक के नेतृत्व में पांच सदस्यीय डॉक्टरों की टीम ने मेडिकल कैंप लगाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राकेश तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

वहीं डॉ. दीपक ने बताया कि इस मेडिकल कैंप के माध्यम से लोगों की सेवा करना ही मेरा परम लक्ष्य है। स्वास्थ्य को लेकर लोगों को पूर्ण जागरूक करना चाहता हूं।

शुरुआती तौर पर अगर बिमारी का पता लग जाता है तो काफी आसानी से इलाज हो सकता है। आगे डॉ दीपक ने बताया कि अभी भी काफी संख्या में लोगों के स्वास्थ्य जांच की जरूरत है।

इस दौरान डॉ अमरेन्द्र कुमार, डॉ मन्तोष, डॉ आलोक कुमार भगत, डॉ शंकर टीम में मौजूद रहे। स्वास्थ्य जांच के उपरांत शुगर, बीपी, सर्दी, खांसी, बुखार, शरीर दर्द, ज्वाइंट पेन संबंधी दवाइयों का वितरण किया गया। मेडिकल कैंप में शाम 6 बजे तक लोगों की भीड़ लगी रही।

मौके पर राजाराम यादव, शिवजी यादव, अभिनंदन यादव, मुकेश यादव, रंजन सिंह, मुकेश आजाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रो. (डॉ) गोपाल नंदन ने नालन्दा अभियंत्रण महाविद्यालय, चण्डी का पदभार ग्रहण किया

कोलफील्ड मिरर 29 दिसंबर (पटना): नालन्दा अभियंत्रण महाविद्यालय, चण्डी (नालन्दा) के नए प्राचार्य प्रो०(डॉ) गोपाल नंदन ने पदभार ग्रहण कर लिया। नई जिम्मेदारी को संभालते हुए उन्होंने कहा कि शैक्षणिक गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन एवं संस्थान की सर्वांगीण विकास उनके प्राथमिकता में रहेगी।

अभियंत्रण विभाग में एक शिक्षक के रूप में विशिष्ट स्थान रखने वाले डॉ नंदन ने कहा कि अकादमिक स्तर को उत्कृष्ट बनाने हेतु सभी शिक्षकों का सहयोग अपेक्षित है। भागलपुर अभियंत्रण महाविद्यालय, भागलपुर से बीटेक इन मेकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के पश्चात उन्होंने आईआईटी रुड़की से उच्च शिक्षा प्राप्त की।

विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में योगदान देने से पहले प्रो० नंदन अमीटी यूनिवर्सिटी, दिल्ली में कार्यरत थे और विभिन्न पदों को सुशोभित किया। संस्थान के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दुनिया की कमाई हुई इज्जत नाशवान होती है और आदमी उसी गृहस्थी में फंसा रह जाता है- बाबा उमाकान्त जी महाराज

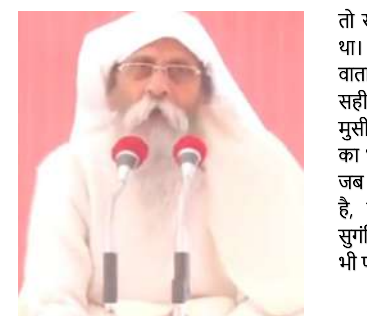

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (झांसी/ उत्तर प्रदेश): विश्व विख्यात निजधाम वासी बाबा जयगुरुदेव जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, वक्त गुरु परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने झांसी जिले के ग्राम- सकरार में 23.नवंबर.2024 को दिए सतसंग संदेश में बताया कि पहले के समय में घर में एक कमाता था और बाकी दस सदस्य बैठ कर खाते थे। लेकिन आज यदि किसी परिवार में कई सदस्यों कमाने वाले भी हों, तब भी हाय हत्या लगी रहती है, पूरा नहीं पड़ता है।

आदमी लालच किसलिए करने लग गया?

आजकल मनुष्य अपने शरीर के सुख के लिए ही सब कुछ करने लगा। शरीर के सुख में लीन होकर हविश बढ़ गई अर्थात लालच अधिक करने लग गया। अच्छा खाने, अच्छा पहनने, अच्छे घर में रहने आदि जैसी कभी न खत्म होने वाली संसारी इच्छाओं के चक्कर में, मनुष्य ये बात भूल जाता है कि इस दुनिया संसार के धन की, मान - सम्मान की, बंगला-कोठी में रहने की इज्जत जो होती है, वह तो आती-जाती रहती है। असली बात तो यही है कि इन दोनों आंखों से दिखने वाली सभी चीजों में नश्वरता है।

मानव जीवन में सतसंग का क्या महत्व है?

पहले के समय में लोग बराबर सतसंग सुनने की आदत डाले रहते थे और जगह-जगह पर सतसंग होता भी रहता था। आज कथा भागवत तो ज्यादा होता है, लेकिन सतसंग कम होता है। पहले सुनने की आदत जब लोगों की थी, तो लोग सतसंग का आयोजन भी कराते रहते थे। जब लोगों को आदत रहती थी तो समय निकालकर आदमी चला आता था। लेकिन अब वह माहौल, वह वातावरण नहीं रहा। इसीलिए आदमी सही जानकारी के अभाव में एक न एक मुसीबतों में फंसता जा रहा है। सतसंग का भाव ऊपर से नीरस लगता है, लेकिन जब मानव उसको अमल में लाने लगता है, तो वही सतसंग अमृत के समान सुगंधित हो जाता है। और ये मानव जीवन भी फलने फूलने लगता है।

आज का मनुष्य प्रारब्ध पर भरोसा नहीं करता।

आप लोग देखते होंगे कि कैसे दिन रात आदमी इस पापी पेट के लिए मशीनी प्रणाली में कार्य करने लगा। अगर भगवान ने नींद, थकावट, भावनाओं का सृजन इस मनुष्य के भीतर नहीं किया होता तो आदमी रुकता ही नहीं। होड़ लगाए ही रहता है कि हम ही सब कुछ अपने बल बूते पर प्राप्त कर लेंगे। लेकिन इसी भागम-भाग में कुदरत का नियम भूल जाता है कि मिलेगा उतना ही जितना प्रारब्ध में है। परन्तु समय के समरथ सन्त सतगुरु जो होते हैं, वो उसमें भी इजाफा करने की क्षमता रखते हैं।

अ.भा. काव्य मंच मुंबई के सौजन्य से दिल्ली में विराट कवि सम्मेलन 29 को

डॉ. शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 29 दिसंबर (नई दिल्ली): अखिल भारतीय काव्य मंच मुंबई के सौजन्य से राजधानी के क्रिएटिव अनलॉक, द्वारका में 29 दिसंबर को विराट कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो अंजनी द्विवेदी अनमोल ने बताया कि बाबा कानपुरी जी अध्यक्षता में होने वाले इस भव्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ पूजा सिंह गंगारिया, एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में दूरदर्शन से इशहाक खान, डॉ ओंकार त्रिपाठी, प्रमोद मिश्र निर्मल, मुकेश पटेल, रजनीश गोयल, अनुराधा, पाण्डेय, शिवम झा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में दिल्ली तथा एनसीआर क्षेत्र के लगभग 40 से अधिक कवि, साहित्यकार, समाजसेवी व समाज के विविध क्षेत्रों से जुड़े हुए सम्मानित विभूति, चिकित्सा आदि क्षेत्रों में विशेष कार्य करने वाली संस्थाओं एवं उनसे जुड़े हुए सम्मानित व्यक्तियों को संस्था द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

आमंत्रित अतिथि साहित्यकारो में सीमा रंगा इंद्रा,शुभ्रा पालीवाल, राधा गुप्ता "राधिका", प्रियांशी गुप्ता, पूजा शुक्ला, पूनम माहेश्वरी, नवीन बग्गा, संजीव जैन "नादान", बबिता पाण्डेय, विभा राज "वैभवी", डॉ उषा श्रीवास्तव "उषाराज", प्रेरणा सिंह, स्वाति शर्मा, डॉ राजेश श्रीवास्तव, दीपा गुप्ता, अमित गुप्ता, हेमंत अग्रवाल, डॉ. दीप्ति दीप, डॉ. वर्षा सिंह, पंकज कुमार तिवारी, उपेंद्र अर्पण, कुमार राघव, नलिनी राज, हिमांशु शुक्ल, विकास मिश्र "सागर, बाल कवि सान्निध्य गुप्ता, डॉ शिखा रानी तथा डॉ पारुल अग्रवाल आदि शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन शुभ्रा पालीवाल करेगी।

राजद ने सदस्यता अभियान चला कर दर्जनों युवाओं को पार्टी से जोड़ा

कोलफील्ड मिरर 29 दिसंबर (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड मुख्यालय में राष्ट्रीय जनता दल का सदस्यता अभियान पूर्व विधायक रामविलास पासवान के नेतृत्व में चलाया गया। वहीं पूर्व विधायक ने कहा कि राजद की सदस्यता अभियान में दर्जनों युवाओं ने पार्टी की सदस्यता लेकर प्रतिपक्ष के नेता एवं पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के हाथों को मजबूती प्रदान किया।

मौके पर जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव, जिला परिषद सदस्य कैलाश यादव, पीरपैंती उत्तरी मंडल अध्यक्ष मुरली यादव, नगर अध्यक्ष मो॰ जानीसार असलम, दक्षिणी अध्यक्ष रंजीत साह, मनोहर मंडल, मुकेश यादव, रामकुमार यादव, मनोज पासवान, चंदन यादव, रोहित यादव, प्रवीण यादव, अमित कुमार, शेखर शर्मा, शेख फिरदौस सहित अन्य राजद कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एआईआरएफ के महामंत्री मजदूर मसीहा कामरेड शिव गोपाल मिश्रा धनबाद पहुंचे

कोलफील्ड मिरर 29 दिसंबर (धनबाद): ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री और मजदूर मसीहा कॉमरेड शिवगोपाल मिश्रा मधुपुर से सड़क मार्ग पर धनबाद पहुंचे और धनबाद रेलवे स्टेशन में ईसीआरकेयू के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहाँ कि घबराने की जरूरत नहीं है। चुनाव में हार जीत होते रहता है। होना यह चाहिए कि हम कर्मचारियों को हितों को जोरदार ढंग से आवाज उठाते रहे एवं उनकी समस्याओं को दूर करते रहें और इसके लिए मैं आपके साथ हमेशा रहूंगा। मेरा पूरा सहयोग रहेगा। आप सब लोग एक साथ रहिए और कर्मचारियों की समस्याओं को दूर करते रहिए। अगर हमारे किसी भी कामरेड भाइयों को प्रशासन के द्वारा गलत तरीके से तंग किया जाएगा तो मैं चुप नहीं रहूंगा। इसकी आवाज दिल्ली में उठेगी और जल्द ही मैं कोशिश कर रहा हूं की ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन में एक वर्किंग कमेटी की बैठक एवं एक आम सभा की जाए इसके लिए आप सभी लोग तैयार रहे। कामरेड शिवगोपाल मिश्रा जी के स्वागत में इतने कम समय में धनबाद क्षेत्र के साथियों ने बढ़ करके हिस्सा लिया। इसको लेकर के वह काफी खुश नजर आए और उन्होंने कहा कि धनबाद के लिए मेरे दिल में एक खास जगह है और अब मैं और ज्यादा समय धनबाद के लिए निकालूंगा।

सुरक्षित शनिवार में शीतलहर से बचाव की दी गयी जानकारी

शीतलहर में बच्चे गर्म कपड़ों में ही विद्यालय आएँ - डॉ० शिवनाथ रविदास

कोलफील्ड मिरर 29 दिसंबर (नवगछिया)-: अनुमंडल के तिनटंगा दियारा दक्षिणी पंचायत स्थित आदर्श मध्य विद्यालय, तिनटंगा दियारा में संस्कृताचार्य डॉ० शिवनाथ रविदास के निर्देशन में सुरक्षित शनिवार मनाया गया।

इस दौरान वरीय शिक्षक डॉ० पुष्कर कुमार, राजेश कुमार, मीनामंच और बालसंसद के मंत्रियों व सदस्यों सहित समग्र छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में वर्ष 2024 का आखिरी सुरक्षित शनिवार प्रप्रअ नितेश कुमार की अध्यक्षता में मनाया गया। जिसमें बच्चों ने माकड्रील से खेल-खेल में जीवंत गतिविधियों से अभिनय करके शीतलहर के कारण होनेवाली बीमारियों जैसे हार्टअटैक, ब्रेनहेमरेज, पैरालिसिस आदि से बचाव के उपाय रोचक तरीके से सीखे। डॉ० पुष्कर कुमार ने कहा कि शीतलहर में यदि असावधानी हुई तो जानें भी जा सकती हैं।

संस्कृताचार्य डॉ० शिवनाथ रविदास ने बच्चों से कहा कि गर्म कपड़े पहनकर ही विद्यालय आएँ। बालसंसद और मीनामंच की मासिक बैठक भी आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता सिम्पल कुमार और काजल कुमारी ने की।

बैठक में विभिन्न आवश्यक प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से मुहर लगी। अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन और कार्यकाल भारत के लिए एक प्रेरणा

कोलफील्ड मिरर 29 दिसंबर 2024: 92 वर्ष की आयु में पूर्वप्रधान मंत्री मनमोहन सिंह छोड़ कर चले गए, मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को पंजाब के गाह में हुआ था। उनका जन्म स्थान अब पाकिस्तान में है। उनके पिता का नाम गुरुमुख सिंह और माता का नाम अमृत कौर था। उन्होंने अपनी शिक्षा पंजाब विश्वविद्यालय और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से प्राप्त की।

पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह एक महान नेता और अर्थशास्त्री थे, जिन्होंने भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी उपलब्धियों में से कुछ प्रमुख हैं, आर्थिक सुधार, उदारीकरण और निजीकरण, उन्होंने 1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाने के लिए नीतियों को लागू किया। उन्होंने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ने के लिए काम किया। उनके कार्यकाल में भारत की आर्थिक विकास दर में वृद्धि हुई। सामाजिक कल्याण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए इस योजना को शुरू किया। सर्व शिक्षा अभियान, उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार करने के लिए इस अभियान को शुरू किया। नेशनल रूरल हेल्थ मिशन, उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने के लिए इस मिशन को शुरू किया। राजनीतिक जीवन,1982 में राजनीति में प्रवेश किया और 2004 से 2014 तक प्रधान मंत्री रहे।

मनमोहन सिंह का जीवन और कार्यकाल भारत के लिए एक प्रेरणा है। उनकी उपलब्धियों ने भारत को एक मजबूत और समृद्ध देश बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

शिक्षा और करियर, उपलब्धियां, उनकी उपलब्धियों में भारतीय अर्थव्यवस्था का उदारीकरण, वैश्वीकरण और आर्थिक विकास शामिल है। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम और सर्व शिक्षा अभियान जैसी योजनाओं को लागू किया।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध, उन्होंने भारत-अमेरिका परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए और भारत-चीन संबंधों में सुधार किया। उन्होंने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) और ब्रिक्स देशों के साथ संबंधों को मजबूत किया।

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह
हरदा मध्य प्रदेश

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बने कपेश, लोगों ने दी बधाई

कोलफील्ड मिरर 29 दिसंबर (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: पीरपैंती निवासी कपेश कुमार को आरा में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बिहार प्रांतीय अधिवेशन में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य का दायित्व सौपा गया है।

उपलब्धि को लेकर परिषद के पूर्व विश्वविद्यालय संयोजक रवि भूषण ने कपेश कुमार को बधाई दी साथ ही कर्तव्य निर्वहन का बोध भी कराया। उन्होंने कहा कि यह संगठन वर्षों से छात्र हित में कार्य कर रही है।

वहीं पूर्व प्रदेश सह मंत्री मनोज कुमार चौधरी, प्रधानाचार्य अनुज कुमार पासवान, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्राचार्य रघुनंदन पंडित, पैक्स संघ अध्यक्ष प्रभात कुमार प्रफुल्ल, मुखिया कुंदन यादव,आरपीएफ पु.नि.भवेश कुमार, नगर मंत्री आशीष कुमार, शिवसागर व फंटूश कुमार सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं दी।

बेटियों का स्वावलंबी

खण्ड-1

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: आज के समय में बेटियाँ बेटों के बराबर है या मैं कहूँ कि बेटियाँ बेटे से कम भी नहीं है। हर जगह बेटियाँ अपने जीवन में अच्छे से कर्तव्य का पालन करती है। शिक्षा में भी बेटियाँ ऊँचे शिखर प्राप्त कर रही है। इसके परिणामस्वरूप बहुत हम अच्छा सुखद देख सकते है कि जैसे बेटियाँ पिता को किसी न किसी रूप में योगदान दे घर चला रही है, बेटी अपने क्षेत्र में सफलता पाकर माँ-बाप का सम्मान से सर ऊँचा कर रही है, बेटी पढ़ाई के साथ-साथ अपने माँ-बाप का सही से ईलाज भी करवा रही है आदि-आदि। अब प्रश्न आता है कि बेटियों का स्वावलंबी क्यों? क्योंकि बेटियाँ भी आज के समय में हर जगह कदम से कदम मिलाकर चल रही है और कहीं-कहीं तो हम देखते है कि बेटियाँ बेटो से आगे ही चल रही है। आज के समय में कब क्या परिस्थिति जीवन में आ जाये तो इसके लिए बेटो की तरह बेटियों का भी स्वावलंबी होना बहुत-बहुत जरूरी है। बेटियों का भी अपना जीवन है, वह अपने जीवन के सपने देखती है और उनको अपनी मेहनत लगन निष्ठा से पूरा कर सफलता प्राप्त करती है। बेटियाँ भी अपना सही से स्वावलंबी जीवन बना स्वाभिमान के साथ जीकर अपने आप को प्रसन्न व सुखी रखना चाहती है। आज के समय में हम यह भी देखते है कि पुराने समय घर का हर काम प्रायः घर के सदस्य ही सम्पादित करते थे। यही प्रक्रिया हर बच्चे की ट्रेनिंग की शुरुआत होती थी। जब कोई काम करोगे तो कभी ग़लत होगा तो कभी चोट भी भी खायेगा।इसी तरह हर बच्चा स्वावलंबी बन जाता था।जीवन में आने वाली बड़ी से बड़ी कठिनाई आसानी से झेलने में सक्षम हो जाता था। समय क्या बदला सब कुछ बदल गया। बच्चे को काम सिखाने की जगह उसको पढ़ाई पर ज़्यादा जोर दिया जाता है। वो पढ़-लिख कर बड़ा ओफिसर तो बन जायेगा, पर जब हाथ से काम करने की नोबत आती है तो दूसरे लोगों की तरफ़ झाँकने को मजबूर हो जाता है। हाथ से काम नहीं करने की वजह से उनका इम्यूनिटी पावर भी कमजोर होता है। थोड़ी सी बीमारी आने पर बिस्तर पकड़ने की नोबत आ जाती है। आजकल के बच्चे थोड़े से प्रतिकूल समय आने पर धेर्य भी खो देते हैं। (क्रमशः आगे)

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

कहो कैसे हम तुमसे---------

कहो कैसे हम तुमसे, मोहब्बत करें।
करीब बैठे तुम्हारे, दिल की बात करें।।
कहो कैसे हम तुमसे-------------------।।

हमको आता है तुम पर, क्यों यह गुस्सा इतना।
आपने पूछा कभी क्या, हमारे दिल का सपना।।
दिल को नहीं पसंद तो, क्यों हम चाह करें।
कहो कैसे हम तुमसे-------------------।।

आपको किसपे अहम है, आपको किसपे वहम है।
हम है आशिक तुम्हारे, आप किस पर मेहरबां है।।
हमसे नहीं मतलब तो, क्यों हम खिदमत करें।
कहो कैसे हम तुमसे-------------------।।

आपसे क्यों हुई नफरत, बहुत प्यार था तुमसे।
आप थे शान हमारी, जुड़े थे सपनें भी तुमसे।।
आप अगर हाथ बढायें तो, हम मुलाकात करें।
कहो कैसे हम तुमसे-------------------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़
जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

सर्जन की चिड़ियाँ करें, तोपों पर निर्माण

बस यूं ही बदनाम है, सड़क-गली-बाजार।
लूट रहे हैं द्रौपदी, घर-आँगन-दरबार॥

कोई यहाँ कबीर है, लगता कोई मीर।
भीतर-भीतर है छुपी, सबके कोई पीर॥

लाख चला ले आदमी, यहाँ ध्वंस के बाण॥
सर्जन की चिड़ियाँ करें, तोपों पर निर्माण॥

अगर विभीषण हो नहीं, कर पाते क्या नाथ।
सोने की लंका जली, अपनों के ही हाथ॥

एकलव्य जब तक करे, स्वयं अंगूठा दान।
तब तक अर्जुन ही रहे, योद्धा एक महान॥

देख सीकरी आगरा, 'सौरभ' है हैरान।
खाली है दरबार सब, महल पड़े वीरान॥

बन जाते हैं शाह वो, जिनको चाहे राम।
बैठ तमाशा देखते, बड़े-बड़े जो नाम॥

डॉ. सत्यवान सौरभ
कोलफील्ड मिरर

लॉजिक और मैजिक

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: "अब शायद लोगों का तर्क के प्रति नजरिया ही बदला हुआ लगता है। आप चाहे जितनी दलीलें दे दो उनको नहीं मानना है तो नहीं ही मानेंगे। लॉजिक कहां मिस हो गया पता नहीं। आप अपना माथा फोड़कर भी गलत को गलत साबित नहीं कर सकते। सही को सही सिद्ध नहीं कर पाएंगे। लोगों की सोच और उससे जुड़े कुछ अंधविश्वास हैं कि वे ऐसे हो गए हैं। क्या कहते हो छोटू!"

"आपकी इन बातों में लॉजिक या तर्क या दलील चाहे जो भी हो, मैं नहीं मानता भैया। तुम्हारी अपनी मान्यताएं और विश्वास जरूरी है कि सभी मानें? अगर ऐसा होने लगे तो ज्ञान का जो भंडार हमारे पास व्हाट्सएप, इंस्टा और ट्विटर के माध्यम से आता है, उसका क्या होगा? हम आपकी बातें सीधे सीधे क्यों मान लें?"

"इसलिए कि मेरे दलील में दम है। मेरे तर्क सही हैं और मेरा लॉजिक सही में लॉजिक है।"

"ऐसा तो हर आदमी सोचता है कि वह सही है और सामने वाला गलत है। राजनीति में देखें तो हम भगवान हैं सामने वाला तुच्छ और दुष्ट है। कोर्ट कचहरी में देखे तो बस सड़क पे सांडों जैसे एक दूसरे पर वकील चिल्लाते हैं दलील मनवाने के लिए। नजरिए में फ़र्क की वजह से कोई किसी की बात मानने के लिए तैयार ही नहीं।"

"सूरज पूरब से उगता है, दो और दो चार होते हैं, चांद रात को निकलता है। इन बातों के लिए तर्क या लॉजिक की क्या जरूरत है छोटू?"

"बात मत घुमाओ भैया। सार्वजनिक सत्य हैं ये सब। इनका तर्क या लॉजिक से क्या लेना देना, बोलिए।"

"अब जो जीत सकता है यह जानते हुए उसके पास जाकर उसे प्रेरणा देना और हारने वाले को ढाढस बंधाने में फर्क है कि नहीं।"

"बिलकुल नहीं है। जीतने वाले से काम निकलवाना और हारे के आंसू पोंछना जग की रीत है। इसमें फर्क क्या है?"

"चूंकि रावण गलत था, इसके लिए सारे लंकावासी गलत हैं, क्या यह सही है? राम जैसे मर्यादा पुरुषोत्तम अयोध्या में थे इसका मतलब सारी जनता अयोध्या की सज्जन है क्या यह सही है?"

"बिलकुल सही है। जैसे पहले चंबल का मतलब डाकू, लुटेरे, हत्यारे ही होता रहा। खैर अब बदल गया सब कुछ।"

"अच्छा तो विभीषण, त्रिजटा जैसे अच्छे लोग भी तो थे लंका में। अयोध्या में मंथरा और कैकेई जैसे नकारात्मक चरित्र वाले भी रहे कि नहीं। हर जगह चावल का एक दाना पकड़कर निर्णय देना कि सारा चावल पक गया या नहीं यह नियम काम नहीं करता समझे छोटू?"

"तो भैया जो इतनी देर से मुझे बिठाके पका रहे हो, मैं जान सकता हूं कि किसलिए?"

"वो इसलिए कि आजकल लोगों को लॉजिक नहीं सिर्फ मैजिक जादू चाहिए। तर्कों को दर किनार करके बाबाओं के शरण में, उनके करतबों को देखने ज्यादा जुटते हैं। इसलिए भारत में वैज्ञानिकों की संख्या से बहुत ज्यादा साधू, संत, मुनि, योगी, ज्ञानी आदि की संख्या है और उनके चेले तो करोड़ों में हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण का तो कहीं भी अता पता नहीं। छोटू! यह मेरी चिंता का विषय है।"

"अच्छे विचार हैं आपके, बहुत ही अच्छी चिंता है आपकी। ऐसा करता हूं अभी मैं जाकर जांगोर बाबा जो मेरे घर के पास पधारे हैं, उनसे इसका समाधान पूछकर आपको बताऊंगा। भैया। मैं चला।"

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

श्रेष्ठ रचनाकार सम्मान संजय वर्मा दृष्टि को

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: साहित्य संगम संस्थान चंडीगढ़ इकाई द्वारा आतंकवाद विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट सर्जना हेतु मनावर जिला धार मप्र के संजय वर्मा "दृष्टि" को श्रेष्ठ रचनाकार सम्मान संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष-राजवीर सिंह मंत्र, अध्यक्ष-रीता गुलाटी ऋतुम्भरा, प्रमाणन अधिकारी -गीता गुप्ता मन द्वारा सम्मान से अलंकृत करते हुए मंच आपके दैदीप्तिमान साहित्य के आकांक्षी है। साहित्य उज्ज्वल भविष्य की कामना मंच करता है। उल्लेखनीय है किसामाजिक, साहित्यिक संस्थाओं में अनवरत सहभागिता आपकी अभिरुचि और सृजनशीलता को नये आयाम प्रदान करती है। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में गद्य-पद्य, लेख प्रकाशित होते रहे हैं, जो पाठकों के साथ अन्य लेखकों को भी निरंतर सक्रिय रहने और सृजनरत रहने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। अंतराष्ट्रीय हम हिंदुस्तानी साप्ताहिक पेपर अमेरिका., कनाडा अफ्रीका से प्रकाशित होता है उसमे एक दिन में 23 लेख, कविता प्रकाशित होने का रिकॉर्ड भी इनके नाम पर है। मुख्य कृतियाँ-- 'दरवाजे पर दस्तक', खट्टे मीठे रिश्ते (कहानी संग्रह), तुम मुझसे झूठ तो नहीं बोल रहे (उपन्यास) कनाडा से प्रकाशित। समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं निरन्तर रचनाओं का प्रकाशन। मुख्य सम्मान/पुरस्कार--राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्थाओं से 605 से भी अधिक सम्मान व पुरस्कार प्राप्त। स्टार बुक ऑफ़ इंटरनेशनल से सम्मान एवं वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड में तीन बार नाम दर्ज है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का शिक्षा के स्तर में सुधार की दिशा में बड़ा कदम-अब 5वीं से 8वीं की वार्षिक परीक्षा में फेल विद्यार्थी फेल ही रहेंगे

बच्चों की गुणवत्ता शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बढ़ी पहल-शिक्षक व अभिभावक पढ़ाई में मार्गदर्शन करेंगे

विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा में फेल होने पर 2 माह के भीतर दूसरा मौका मिलेगा, फिर भी फेल हुआ तो रोक दिया जाएगा पर निष्काशन नहीं-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर न केवल मानवीय जीव के लिए शिक्षा ग्रहण करना उसकी सफ़लता की कुंजी है बल्कि उसने संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ऐसा माना जाएगा जैसे भारत को विज़न 2047 में हर व्यक्ति के शिक्षित होने से इस विज़न को एक महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा इसलिए ही केंद्र व राज्य सरकारें शिक्षा पर दो जोर दे रही है गुणवत्ता शिक्षा के लिए अनेक रणनीतियां बनाई जा रही है, इसी दिशा में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शनिवार दिनांक 21 दिसंबर 2024 को भारत के ग़जट में 16 दिसंबर 2024 की आधिसूचना को प्रकाशित किया है, जिसमें अब नो डिटेंशन पॉलिसी को समाप्त कर दिया गया है, जिसमें अब 5वीं व 8वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा में फेल होने वाले विद्यार्थीयों को अब पास नहीं किया जाएगा। हालांकि दो माह के अंदर दूसरी परीक्षा ली जाएगी, परंतु अगर उसमें भी वह फेल हो जाता है तो उसे उसी कक्ष में रोक दिया जाएगा परंतु निष्कासित नहीं किया जा सकता। हालांकि 2019 में शिक्षा का अधिकार अधिनियम में संशोधन के बाद 16 राज्यों ने पहले से ही फेल नहीं करने की नीति को समाप्त कर दिया था, क्योंकि शिक्षा यह राज्य का विषय है परंतु अब केंद्र सरकार ने भी अधिसूचना जारी कर फेल को फेल ही रहने देने की अधिसूचना जारी कर दी है। चूँकि बच्चों की गुणवत्ता शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ी पहल है शिक्षक वह अभिभावक पढ़ाई में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन करेंगे, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का शिक्षा के स्तर में सुधारो की दिशा में बड़ा कदम, अब 5वी से 8वीं की वार्षिक परीक्षा में फेल विद्यार्थी फेल ही रहेंगे।

साथियों बात अगर हम शनिवार दिनांक 21 दिसंबर 2024 को जारी केंद्रीय ग़जट में अधिसूचना की करें तो, अब पांचवीं और आठवीं क्लास की परीक्षा में फेल होनेवाले विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जाएगा। सरकार ने निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 में संशोधन किया है।सरकार ने नो डिटेंशन पॉलिसी खत्म कर दी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने आज, 21 दिसंबर 2024 को बड़ा फैसला करते हुए नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म कर दिया। अब कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षा में फेल होने वाले छात्रों को पास नहीं किया जाएगा। पहले फेल होने वाले छात्रों को पास कर अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। फेल होने वाले छात्रों को दो महीने के अंदर दोबारा परीक्षा देने का मौका मिलेगा। अगर कोई छात्र दोबारा फेल होता है तो उसे प्रमोट नहीं किया जाएगा। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बच्चे को रोके रखने के दौरान शिक्षक बच्चे के साथ-साथ यदि आवश्यक हो तो अभिभावक का भी मार्गदर्शन करेंगे। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को किसी भी स्कूल से नहीं निकाला जाएगा।शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार यह नियम केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और सैनिक स्कूलों सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित 3 हज़ार से अधिक स्कूलों पर लागू होगा। वहीं मंत्रालय के मुताबिक स्कूली शिक्षा राज्य का विषय है, इसलिए राज्य इस संबंध में अपना निर्णय ले सकते हैं. पहले ही 16 राज्यों और दिल्ली सहित 2 केंद्र शासित प्रदेशों ने इन दो कक्षाओं के लिए नो-डिटेंशन पॉलिसी को पहले ही खत्म कर दिया है।

साथियों बात अगर हम अधिसूचना को समझने की करें तो, एक गजट अधिसूचना के अनुसार, नियमित परीक्षा के आयोजन के बाद, यदि कोई बच्चा समय-समय परअधिसूचित पदोन्नति मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे दो महीने की अवधि के भीतर अतिरिक्त निर्देश और पुन: परीक्षा का अवसर दिया जाएगा अधिसूचना में कहा गया है, यदि पुन:परीक्षा में बैठने वाला बच्चा फिर से पदोन्नति के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे पांचवीं कक्षा या आठवीं कक्षा में रोक दिया जाएगा, जैसा भी मामला हो। बच्चे को रोके रखने के दौरान, कक्षा शिक्षक बच्चे के साथ-साथ यदि आवश्यक हो तो बच्चे के माता-पिता का मार्गदर्शन करेगा और मूल्यांकन के विभिन्न चरणों में सीखने के अंतराल की पहचान करने के बाद विशेष जानकारी प्रदान करेगा हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को किसी भी स्कूल से नहीं निकाला जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हरियाणा और पुडुचेरी ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है, जबकि शेष राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने नीति को जारी रखने का फैसला किया है। राजपत्र अधिसूचना के अनुसार नियमित परीक्षा के आयोजन के बाद यदि कोई बच्चा समय-समय पर अधिसूचित पदोन्नति मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है तो उसे परिणाम की घोषणा की तारीख से दो महीने की अवधि के भीतर अतिरिक्त निर्देश और पुनः परीक्षा का अवसर दिया जाएगा। साथ ही कहा गया है कि यदि पुनः परीक्षा में बैठने वाला छात्र पदोन्नति (अगली कक्षा में जाने की अर्हता) के मानदंडों को पूरा करने में असफल रहता है तो उसे पांचवीं या आठवीं कक्षा में ही रोक दिया जाएगा। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसी भी बच्चे को प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक स्कूल से निष्कासित नहीं किया जाएगा। सरकार के नए नोटिफिकेशन के मुताबिक फेल होने वाले स्टूडेंट्स को 2 महीने के अंदर दोबारा परीक्षा देने का मौका दिया जाएगा। अगर वे दोबारा फेल होते हैं, तो उन्हें प्रमोट नहीं किया जाएगा, बल्कि जिस क्लास में वो पढ़ रहे थे उसी में दोबारा पढ़ेंगे। सरकार ने इसमें एक प्रावधान भी जोड़ा है कि 8 वीं तक के ऐसे बच्चों को स्कूल से निकाला नहीं जाएगा। बता दें 2016 में सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ एजुकेशन ने ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट मिनिस्ट्री को नो डिटेंशन पॉलिसी हटाने का सुझाव दिया था। उन्होंने कहा कि इस पॉलिसी के वजह से स्टूडेंट्स के सीखने का स्तर गिर रहा है। नो डिटेंशन पॉलिसी के अंतर्गत स्टूडेंट्स का मूल्यांकन करने के लिए टीचर्स के पास पर्याप्त साधन नहीं थे। ज्यादातर मामलों में स्टूडेंट्स का मूल्यांकन ही नहीं किया जाता था। देशभर में 10 पेर्सेंट से भी कम स्कूलों में पॉलिसी के हिसाब से टीचर्स और इंफ्रास्ट्रक्चर पाया गया। पॉलिसी में मुख्य रूप से एलिमेन्ट्री एजुकेशन में स्टूडेंट्स का एरोल्मेंट बढ़ाने पर फोकस किया गया जबकि बेसिक शिक्षा का स्तर गिरता रहा। इससे स्टूडेंट्स पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो गए क्योंकि अब उन्हें फेल होने का डर नहीं था। 2016 की एनुअल एजुकेशन रिपोर्ट के अनुसार क्लास 5 वीं के 48 पेर्सेंट से कम स्टूडेंट्स ही दूसरी क्लास का सिलेबस पढ़ पाते हैं। ग्रामीण स्कूलों में आठवीं क्लास के सिर्फ 43 पेर्सेंट स्टूडेंट्स ही सिम्पल डिवीजन कर सकते हैं। 5वीं क्लास में चार में से सिर्फ एक स्टूडेंट ही अंग्रेजी का वाक्य पढ़ सकता है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने प्रारंभिक शिक्षा पर आर्टिकल 16 के इस असर को लेकर चिंता जताई थी। शिक्षा पर टीएसआर सुब्रमण्यम कमेटी और सीएबीसी के तहत बनाई गई वासुदेव देवनानी कमेटी ने भी नो डिटेंशन पॉलिसी को रद्द करने की सिफारिश की थी।नो डिटेंशन पॉलिसी राइट टू एजुकेशन 2009 का हिस्सा थी। ये सरकार की पहल थी जिससे भारत में शिक्षा की स्थिति में सुधार हो सके। इसका उद्देश्य था कि बच्चों को शिक्षा के लिए बेहतर माहौल दिया जा सके ताकि वो स्कूल आते रहें। फेल होने से स्टूडेंट्स के आत्मसम्मान को ठेस पहुंच सकती है। साथ ही फेल होने से बच्चे शर्म भी महसूस करते हैं जिससे पढ़ाई में वो पिछड़ सकते हैं। इसलिए नो डिटेंशन पॉलिसी लाई गई जिसमें 8वीं तक के बच्चों को फेल नहीं किया जाता। 2018 में लोकसभा में बिल पास हुआ था जुलाई 2018 में लोकसभा में राइट टु एजुकेशन को संशोधित करने के लिए बिल पेश किया गया था। इसमें स्कूलों में लागू नो डिटेंशन पॉलिसी को खत्म करने की बात थी। इसके अनुसार 5वीं और 8वीं क्लास के स्टूडेंट्स के लिए रेगुलर एग्जाम्स की मांग की गई थी। इसी के साथ फेल होने वाले स्टूडेंट्स के लिए दो महीने के अंदर री-एग्जाम कराने की भी बात थी। 2019 में ये बिल राज्य सभा में पास हुआ। इसके बाद राज्य सरकारों को ये हक था कि वो नो डिटेंशन पॉलिसी हटा सकते हैं या लागू रख सकते हैं। यानी राज्य सरकार ये फैसला ले सकती थीं कि 5वीं और 8वीं में फेल होने पर छात्रों को प्रमोट किया जाए या क्लास रिपीट करवाई जाए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का शिक्षा के स्तर में सुधार की दिशा में बड़ा कदम-अब 5 वीं से 8 वीं की वार्षिक परीक्षा में फेल विद्यार्थी फेल ही रहेंगे ल।बच्चों की गुणवत्ता शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बढ़ी पहल-शिक्षक व अभिभावक पढ़ाई में मार्गदर्शन करेंगे। विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा में फेल होने पर 2 माह के भीतर दूसरा मौका मिलेगा, फिर भी फेल हुआ तो रोक दिया जाएगा पर निष्काशन नहीं होगा।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

अंतरराष्ट्रीय जीवन पर्यन्त साहित्य सेवा सम्मान 24 संजय वर्मा दृष्टि को

कोलफील्ड मिरर 29 दिसम्बर 2024: राष्ट्रीय हिंदी रक्षक मंच एवं दिव्योथान एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसायटीमंच की अमेरिका, लंदन शाखा द्वारा दिनांक 22 दिसंबर 2024 को स्थान मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति रवींद्रनाथ टैगोर मार्ग इंदौर मप्र में आयोजित 12वां हिंदी रक्षक अंतराष्ट्रीय राष्ट्रीय सम्मान समारोह 2024 में साहित्यकार, शिक्षाविद, समाजसेवी एवं अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले की श्रेणियों में 30 सम्मान में सम्मिलित मनावर जिला धार के संजय वर्मा "दृष्टि" को पद्य विधा में जीवनपर्यंत साहित्य सेवा अंतराष्ट्रीय सम्मान 2024 सम्मान संस्थापक अध्यक्ष-राष्ट्रीय हिंदी रक्षक मंच डॉ पवन मकवाना, आअध्यक्ष-राष्ट्रीय हिंदी रक्षक मंच अमेरिका शाखा से डॉ किरण अवस्थी, अध्यक्ष-राष्ट्रीय हिंदी रक्षक मंच लंदन शाखा से माधवी तारे, अध्यक्ष-दिव्योतथान एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी प्रो डॉ दीपमाला गुप्ता, विशेष अतिथि 1008 दादू महाराज इंदौर, मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार हरिराम वाजपाई, डॉ अग्रवाल इंदौर, प्रो मोहन परमार रायपुर, के द्वारा उन्हें सम्मान से विभूषित किया जाकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। संजय वर्मा "दृष्टि" की देश विदेश की पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होती है। अबतक 605 सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। इनका नाम वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड में तीन बार दर्ज किया जाकर सम्मानित किया जा चूका है| स्टार बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी नाम दर्ज किया जाकर सम्मान प्राप्त है।

१२वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान २०२४ हेतु विद्वानों की सूची

०१. डॉ. घूरसिंहजी चिरोंजे सेवानिवृत प्राचार्य सिवनी, छिंदवाड़ा (म.प्र.) राष्ट्रभाषा सम्मान २०२४ (गद्य एवं पद्य)
०२. डॉ. दशरथजी मसानिया प्राचार्य, हाई स्कूल बापचा बडोद जि. आगर मालवा (म.प्र.) जीवनपर्यन्त साहित्य सेवा सम्मान २०२४ (गद्य एवं पद्य)
०३. सुश्री रेणुजी भार्गव दीदी समाजसेवी इंदौर (म.प्र.) मानव सेवा सम्मान २०२४ (समाजसेवी, मानव सेवा, दीन दुखियों की सेवा)
०४. श्रीमती क्षिप्राजी चतुर्वेदी समाज सेवी लखनऊ (उ.प्र.) पशु सेवा सम्मान २०२४ (पशु सेवा)
०५. श्री संजयजी वर्मा "दृष्टि" डीएम (जलसंसाधन विभाग) मनावर धार (म.प्र) जीवनपर्यन्त साहित्य सेवा सम्मान २०२४ (गद्य एवं पद्य)
०६. डॉ. हरिदासजी बड़ोदे हरिप्रेम मेहरा शिक्षक/कवि/गीतकार आमला, जि.बैतूल (मध्यप्रदेश) आचार्य श्री सम्मान २०२४ (प्राध्यापक, शिक्षक, शोधार्थी)
०७. श्री रामकुमारजी प्रजापति वरिष्ठ साहित्यकार जतरा टीकमगढ़ (म.प्र.) साहित्य मनीषी सम्मान २०२४ (गद्य एवं पद्य)
०८. श्रीमती सुजाता देशपांडे वरिष्ठ समाजसेवी इंदौर (म.प्र.) बहुआयामी व्यक्तित्व स्म्मान २०२४
०९. कुनिका गोयल सहायक प्राध्यापक भरतपुर (राजस्थान) शिक्षा शिरोमणि सम्मान २०२४ (प्राध्यापक, शिक्षक, शोधार्थी)
१०. डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक जबलपुर (म.प्र.) शिक्षा शिरोमणि सम्मान २०२४ (प्राध्यापक, शिक्षक, शोधार्थी)
११. डॉ. बालाजी नायक एल असोसिएट प्रोफ़ेसर बेंगलोर विश्वविद्यालय बेंगलोर (कर्नाटक) उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान २०२४ (प्राध्यापक, शिक्षक, शोधार्थी)
१२. डॉ. मंजरी अग्रवाल संगीत शिक्षक एवं समाजसेवी इंदौर (म.प्र.) कला एवं संस्कृति सम्मान २०२४ (रंगकर्मी/गायक/वादक/अन्य कलाएं)
१३. डॉ. सुभाष नौहवार विभागाध्यक्ष हिंदी दोहा मार्डन इंडियन स्कूल (क़तर) उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान २०२४ (प्राध्यापक, शिक्षक, शोधार्थी)
१४. श्री गीतेश मिश्रा सुप्रसिद्ध शास्त्रीय संगीत गायक गुरुग्राम (हरियाणा) कला एवं संस्कृति सम्मान २०२४ (रंगकर्मी/गायक/वादक/अन्य कलाएं)
१५. डॉ. प्रशांत अग्रवाल बालरोग विशेषज्ञ (चोइथराम हॉस्पिटल) इंदौर (म.प्र.) स्वास्थ्य सेवा सम्मान २०२४ (स्वास्थ्य कार्यकर्ता, चिकित्सक)
१६. श्री शुभेन्द्रूजी बसु प्रोफेसर (कलकत्ता) वागीश्वरी सम्मान सम्मान २०२४ (प्राध्यापक, शिक्षक, शोधार्थी)
१७. श्रीमती पुष्पा रंगराजन प्रोफेसर (तेलंगाना) वागीश्वरी सम्मान सम्मान २०२४ (प्राध्यापक, शिक्षक, शोधार्थी)
१८. श्रीमती शकुंतला मिश्रा नाट्यकर्मी पुणे (महाराष्ट्र) कला एवं संस्कृति सम्मान २०२४ (रंगकर्मी/गायक/वादक/अन्य कलाएं)
१९. सुश्री पूर्णिमा राजपूत एसोसिएट प्रोफेसर जयपुर (राजस्थान) आचार्यश्री सम्मान सम्मान २०२४ (प्राध्यापक, शिक्षक, शोधार्थी)
२०. श्रीमती नलिनी पांडेय वरिष्ठ साहित्यकार बुलंदशहर (उत्तरप्रदेश) साहित्य मनीषी सम्मान २०२४ (गद्य एवं पद्य)
२१. श्री असत खान सामाजिक कार्यकर्ता औरंगाबाद (महाराष्ट्र) दिव्यांग सेवा सम्मान २०२४ (सामाजिक कार्यकर्ता, सामाजिक संस्था)
२२. विजया परमार कवयित्री/गीतकार रतलाम (मध्यप्रदेश) राष्ट्रभाषा सम्मान २०२४ (गद्य एवं पद्य)
२३. योगेंद्र पाटीदार समाजसेवी झाबुआ (मध्यप्रदेश) मानव सेवा सम्मान २०२४ (समाजसेवी, मानव सेवा, दीन दुखियों की सेवा)
२४. निमिषा खंडेलवाल सामाजिक कार्यकर्ता भीलवाड़ा (राजस्थान) संकल्प शिरोमणि सम्मान २०२४ (सामाजिक कार्यकर्ता, सामाजिक संस्था)
२५. महामंडलेश्वर १००८ श्री दादूजी महाराज महंत श्री गजासीन शनि मंदिर इंदौर (मध्यप्रदेश) संत शिरोमणि सम्मान २०२४
२६. प्रो.डॉ. मानसिंग परमार पूर्व कुलपति कुशाभाऊ ठाकरे यूनिवर्सिटी रायपुर (छत्तीसगढ़) सरस्वतीसुत पत्रकारिता सम्मान २०२४ (पत्रकार/छायाकार)
२७. श्री हरेराम वाजपई वरिष्ठ साहित्यकार इंदौर (मध्यप्रदेश) साहित्य मनीषी सम्मान २०२४ (गद्य एवं पद्य)
२८. श्रीमती माया मालवेंद्र बदेका वरिष्ठ साहित्यकार उज्जैन (मध्यप्रदेश) साहित्य मनीषी सम्मान २०२४ (गद्य एवं पद्य)
२९. श्री शरद जोशी वरिष्ठ ग़ज़लकार/गीतकार धार (मध्यप्रदेश) साहित्य मनीषी सम्मान २०२४ (गद्य एवं पद्य)
३० श्रीमती मधुलिका शुक्ला वरिष्ठ समाजसेवी इंदौर (मध्यप्रदेश) समाजसेवा सम्मान २०२४ (सामाजिक कार्यकर्ता, सामाजिक संस्था)

हिंदी रक्षक मंच के संस्थापक पवन मकवाना जी व देवोत्थान सोसायटी एव अमेरिका व लंदन की शाखा के संस्थापक जी एवं मित्रों, परिवार द्वारा संजय वर्मा "दृष्टि" का साहित्य क्षेत्र उज्ज्वल हो की बधाई दी।